

20 जुलाई, 2025

श्रावण, कृष्ण पक्ष, दशमी

संवत् 2082

पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

रविवार, वर्ष 10, अंक 270

कलम कलम बढ़ाये जा

जान जोखिम में
डालकर बच्चे जा रहे
स्कूल : बाबूलाल

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी तीन बड़ी सड़क परियोजनाओं की मंजूरी रांची में बनेंगे तीन फ्लाइओवर

● जमशेदपुर, डाल्टनगंज और अन्य शहरों में भी ट्रैफिक सुधार की योजनाएं बनाने का दिया निर्देश

अजाद सिपाही संवाददाता
रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची समेत झारखंड के अन्य प्रमुख शहरों में यातायात व्यवस्था को सुचारु और आधुनिक बनाने की दिशा में तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं की विस्तृत प्रस्तुति पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री के समक्ष दी गयी। हेमंत सोरेन ने डीपीआर तैयार कर जल्द परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का निर्देश दिया है। साथ ही अन्य प्रमुख शहरों में भी यातायात सुधार के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।



रांची को मिली सौगात: मुख्यमंत्री ने अरगोड़ा चौक-कटहल मोड़-चापू टोली एलिवेटेड फ्लाइओवर की मंजूरी दी। सड़क के दोनों ओर ड्रेनेज और यूटिलिटी डक बनाये जायेंगे। नीचे की सड़क का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। फ्लाइओवर पर पूर्ण प्रकाश व्यवस्था और दोनों किनारों पर

नॉइज बैरियर लगेगा। इसके बनने से अरगोड़ा से चापू टोली तक व्यस्त यातायात से राहत मिलेगी और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित होगी। वहीं, दूसरा करमटोली-मोराबादी-साइंस सिटी तक फ्लाइओवर बनेगा। साथ ही रिंग रोड तक फोर लेन होगा। इसके बनने से राजधानी के व्यस्त

जमशेदपुर-साकची फ्लाइओवर बनने से जाम से मिलेगी निजात

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि रांची की तर्ज पर जमशेदपुर, डाल्टनगंज और अन्य शहरों में भी ट्रैफिक सुधार की योजनाएं बनाई जाएं। इसके तहत जमशेदपुर-साकची सिटी फ्लाइओवर परियोजना (लंबाई 2.54 किमी) जाम की समस्या से राहत देगा। वहीं, डाल्टनगंज-गढ़वा वैकल्पिक कॉरिडोर से चारों दिशाओं को जोड़ने वाला गोलाकार एलिवेटेड कॉरिडोर, ट्रैफिक संतुलन में मदद करेगा। एनएचएआइ के ट्रांजिशन पॉइंट्स पर सुधार से रामगढ़, डाल्टनगंज, बरकाकाना जैसे स्थानों पर सुरक्षा और जंक्शन सुधार पर जोर दिया।

मार्गों पर जाम की समस्या में कमी आएगी और आवाजाही तेज होगी। इसके अलावा रांची रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक वैकल्पिक फोर लेन सड़क बनेगी। दोनों ओर फुटपाथ और कवर्ड साइकिल ट्रैक होगा। ट्रैक के ऊपर सोलर पैनल, जिससे सड़क रोशन रहेगी। ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, गजीबो,

बैठने की बेंच और प्राथमिक सुविधाएं होगी। इसके बनने से एयरपोर्ट तक जाने के लिए वैकल्पिक तेज रफ्तार मार्ग उपलब्ध होगा। हटिया, डोरंडा, हीनू और एचडीसी क्षेत्र के लोगों को रांची रेलवे स्टेशन तक त्वरित और सुगम पहुंच होगी।
अन्य परियोजनाओं पर विचार:

अरगोड़ा चौक-कटहल मोड़-चापू टोली एलिवेटेड फ्लाइओवर

- फ्लाइओवर की लंबाई: 1.75 किलोमीटर
- फ्लाइओवर की चौड़ाई: 10 मीटर
- नीचे की सड़क: 7 मीटर

करमटोली-मोराबादी-साइंस सिटी फ्लाइओवर एवं रिंग रोड तक फोर लेन

- फ्लाइओवर की लंबाई: 2.2 किलोमीटर
- फ्लाइओवर की चौड़ाई: 10 मीटर
- फोर लेन सड़क लंबाई : 5 किलोमीटर (साइंस सिटी से रिंग रोड तक)

रांची रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक वैकल्पिक फोर लेन सड़क

- सड़क की लंबाई: 4.7 किलोमीटर
- एलिवेटेड रोड: 800 मीटर

मुख्यमंत्री ने हर मुक्ति धाम से रेडिशन ब्लू तक फ्लाइओवर और हिनु पुल से जगन्नाथपुर तक स्वर्णरेखा नदी पर फ्लाइओवर जैसे अन्य प्रस्तावों पर भी विचार करने की बात कही है।
आर्थिक और सामाजिक लाभ: इन परियोजनाओं से न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या कम

होगी, बल्कि स्थानीय रोजगार, निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने समयबद्ध क्रियान्वयन और नियमित समीक्षा का निर्देश देते हुए कहा कि यह पहल झारखंड को आधुनिक और विकसित राज्य बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

संसद का मानसून सत्र 21 से, होगा हंगामेदार

अजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र सोमवार 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। पहले यह सत्र 12 अगस्त तक चलने वाला था, अब इसे बढ़ा दिया है। सत्र 21 अगस्त तक चलेगा और इस दौरान दोनों सदनों की कुल 21 बैठकें होंगी। सरकार की तरफ से इस सत्र में कई विधेयक पेश किए जायेंगे। इसमें से कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिस पर हंगामा हो सकता है। इसमें पहलगांव से लेकर बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक कई मुद्दे शामिल हैं। इस एक महीने लंबे सत्र के लिए विपक्ष ने पूरी तैयारी कर ली है। विपक्ष सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी में है। इसे लेकर इंडिया गठबंधन की बैठकें जारी हैं। हालांकि इस गठबंधन में तुणमूल कांग्रेस और आप जैसी कुछ पार्टियां शामिल नहीं हो रही हैं,



फिर भी वे सरकार से तीखे सवाल पूछने को तैयार हैं। उधर, सरकार भी विपक्ष के सवालों का जवाब देने की तैयारी कर रही है।
ऑपरेशन सिंदूर पर ट्रंप के बयान बनेगा मुद्दा: विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने का मन बनाया है। खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस संबंध में दिये गये बयानों को लेकर। ट्रंप ने कई बार दावा किया

है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया था। राहुल गांधी पहले ही 'नरेंद्र सरेंडर' जैसा बयान दे चुके हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को पूरी तैयारी के साथ घेरने की कोशिश करेगा। विदेश मंत्री जयशंकर के सीजफायर पर दिये गये बयान को लेकर भी विपक्ष उन्हें कटघरे में खड़ा करने की कोशिश करेगा।

सहायक आचार्य के गणित और विज्ञान का रिजल्ट जारी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का रिजल्ट जारी होना शुरू हो गया है। शुक्रवार की देर रात गणित और विज्ञान विषय का रिजल्ट जारी कर दिया गया। लगभग 1600 अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी हुआ है, जबकि झारखंड कर्मचारी वयन आयोग (जेएसएससी) ने सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन में 2734 अभ्यर्थियों को बुलाया था। गणित और विज्ञान विषय में 5008 पदों के लिए सिर्फ 2734 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, इसमें से सिर्फ 1600 का ही रिजल्ट जारी हुआ है। शेष अभ्यर्थी जिनका सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन हो चुका है, उनके रिजल्ट के बारे में आयोग द्वारा कोई सूचना नहीं दी गयी है। इससे अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बताते चलें कि जेएसएससी ने झारखंड हाइकोर्ट में शपथ पत्र दायर किया था कि सहायक आचार्य परीक्षा के गणित और विज्ञान का रिजल्ट जुलाई में जारी होगा।

हिंदूवादी नेता भैरव सिंह गिरफ्तार

रांची में चुटिया पुलिस की कार्रवाई

अजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चुटिया थाना क्षेत्र में पार्किंग ठेकेदारी को लेकर हुए विवाद और मारपीट मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए हिंदूवादी नेता भैरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना ने बीते कुछ दिनों से रांची में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा को तेज कर दिया था। घटना रांची के सुजाता चौक के पास स्थित बिग बाजार इलाके की बताई जा रही है, जहां पार्किंग ठेके को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि



सड़क पर ही मारपीट की नौबत आ गयी। इस मामले में भैरव सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने मामले की

छानबीन के बाद आरोपी भैरव सिंह को पंडरा इलाके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद भैरव सिंह को मेडिकल जांच के लिए रांची सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश के बाद भैरव सिंह को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। चुटिया थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से की गयी है। पुलिस आगे भी इस मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।



SYMBIOSIS PUBLIC SCHOOL

(Affiliated to Central Board of Secondary Education, New Delhi) upto 10+2
NH-33, Near Toll Gate, Bundu, Ranchi-835204 JHARKHAND

TEACHERS REQUIREMENT

PGT (IX -XII) :-MATHEMATICS,ACCOUNTS, BUSINESS STUDIES.
QUALIFICATION: Post Graduate with B.Ed.

PGT (IX -XII) :-COMPUTER SCIENCE
QUALIFICATION: MCA

PGT (IX -XII) :-PHYSICAL EDUCATION
QUALIFICATION: Masters Degree in Physical Education

TGT (VI -VIII) :- HINDI,SCIENCE,MATHEMATICS
QUALIFICATION : Graduate in respective subjects with B.Ed.

WELLNESS TEACHER : Post Graduate in Psychology

SPECIAL EDUCATORS : Post Graduate or Diploma in Special Education

LIBRARIAN: B.lib /M.lib with expertise in using library software.

NOTE :-

- Candidates should have at least 2 years of experience in a reputed CBSE/ICSE School.
 - Freshers with exceptional academic record may apply.
 - Only shortlisted candidates will be called for the interview and demonstration classes.
- Interested candidates should Email their detailed resume along with hand written application and recent passport size photograph to symbiosisbundu@gmail.com latest by 27th July '2025.

ADMISSION OPEN
FOR CLASS XI LIMITED SEATS

Contact No : 9835108162



YBN UNIVERSITY

Ranchi, Jharkhand

Ph.D. Admission Notification-2025

This is for the information of all concerned that the **Y.B.N. University, Ranchi (Jharkhand)** has scheduled to conduct **YBNU-Ph.D. Entrance Test - 2025** (Research Eligibility Test) in the **Schools of Agriculture, Arts & Humanities, Science, Commerce & Management, Computer Science & IT, Engineering & Technology, Law, Pharmacy and Education on 12th August 2025.** The Prospectus and seat matrix (including Application Form) for the above-mentioned entrance test is available on University website: <https://www.ybnu.ac.in/> To apply, please visit the website <https://www.ybnu.ac.in/> Contact Information: For any queries, please contact the Admission Cell at: **7061261557, 9709500400**

Sd/-
Controller of Examinations
Y.B.N. University
Ranchi (Jharkhand)

Note :

Y.B.N. University, Ranchi, is accepting **rolling applications** for faculty positions across all its Schools and Colleges. Candidates will be invited for interviews as vacancies arise. Interested applicants can apply online by submitting their applications with all supportive documents as per UGC guidelines to hr@ybnu.ac.in.

राष्ट्रपति देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी

31 जुलाई को आयेंगी, प्रशासन ने शुरू की तैयारी

अजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई को देवघर आयेंगी। वह देवघर एम्स में आयोजित होने वाले पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी है। देवघर एम्स का यह पहला दीक्षांत समारोह है, जिसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन एम्स के ऑडिटोरियम में होगा, जहां लगभग एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। एम्स प्रबंधन ने सभी अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं, और तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं।

48 छात्रों को मिलेगी डिग्री, चार को मेडल: दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 48 छात्रों को डिग्री प्रदान करेंगी। इनमें से चार मेधावी छात्रों को विशेष सम्मान मिलेगा, जिसमें एक छात्र को गोल्ड मेडल, एक को सिल्वर



मंदिर में पूजा की कोई सूचना नहीं

देवघर में श्रावणी मेला चल रहा है। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु देवघर पहुंच रहे। इस दौरान राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासन विशेष तैयारी में जुटा है। देवघर के एसडीओ रवि कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति 31 जुलाई को एम्स के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। फिलहाल, बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

मेडल, एक को ब्रॉन्ज मेडल और एक अन्य छात्र को डिग्री दी जायेगी। शेष छात्रों को एम्स प्रबंधन और विशिष्ट अतिथियों द्वारा डिग्री वितरित की जायेगी।

रांची की स्वच्छता रैंकिंग में गिरावट को लेकर नगर निगम हुआ सचेत

- 32वें से 37वें स्थान पर खिसक कर देश का सबसे चौथा गंदा शहर बना रांची
- नगर की साफ-सफाई की व्यवस्था में सुधार की जरूरत, लोगों का सहयोग भी जरूरी
- जगह-जगह कुड़ेदान, ठोस कचरा प्रबंधन, सीवरेज-ड्रेनेज की व्यवस्था मजबूत करनी होगी
- स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग को लेकर नगर विकास विभाग भी गंभीर
- रैंकिंग जरूर निराशाजनक, लेकिन आने वाले दिनों में जरूर सुधार होगा: नगर निगम

दो दिन पहले स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के नतीजों ने रांची के साथ-साथ पूरे झारखंड की हकीकत सामने ला दी है। इस नतीजे के अनुसार सर्वेक्षण में शामिल 10 लाख से अधिक आबादी वाली श्रेणी में देश के 40 सबसे गंदे शहरों में झारखंड की राजधानी रांची चौथे स्थान पर है। इस श्रेणी में देश का सबसे गंदा शहर मदुरै है। उसके बाद लुधियाना दूसरा सबसे गंदा शहर है। उसके बाद चेन्नई और रांची का स्थान है। पिछले साल इस सर्वेक्षण में रांची को 32वां स्थान हासिल हुआ था,

लेकिन इस बार वह फिसल कर 37वें स्थान पर चला गया। यहां बड़ा सवाल यह उठता है कि साफ-सफाई के मामले में रांची की इस शर्मनाक स्थिति के लिए जिम्मेवार कौन है। क्या इस स्थिति के लिए केवल रांची नगर निगम को जिम्मेवार ठहराया जा सकता है या फिर रांची के

आम लोग भी इसके लिए जिम्मेवार हैं। इस सवाल के जवाब में केवल इतना कहा जा सकता है कि रांची नगर निगम के साथ रांची के लोग भी इस स्थिति के लिए जिम्मेवार हैं। रांची की साफ-सफाई की तरफ किसी का भी ध्यान नहीं है। लोग जहां-तहां कचरा फेंकते

हैं और नगर निगम भी उसका निपटारा अपने हिसाब से करता है। दुनिया में शायद रांची एकमात्र ऐसा शहर है, जहां कचरा फेंकने के लिए कूड़ेदान नहीं हैं। कुछ साल पहले शहर में कूड़ेदान दिखाता था, लेकिन अब तो यह दिखाई भी नहीं देता। यह सब तब हो रहा है, जब रांची नगर निगम राज्य में टैक्स वसूलने के मामले में पहले स्थान पर है। क्या है रांची में गंदगी का कारण और क्या हो सकता है इसे दूर करने का उपाय, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह**।



राकेश सिंह

मामले में राज्य के सभी निकायों से आगे है, लेकिन जब बात साफ-सफाई की आती है, तो तत्वीर एकदम उलटी नजर आती है। रांच नगर निगम द्वारा टैक्स भरपूर वसूला जाता है, लेकिन सफाई के मामले में रांची नगर निगम नाकाम साबित हो रहा है।

इन कारणों से पिछड़ गयी रांची

स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में रांची के पिछड़ने के कई कारण हैं। यह हैरत की बात है कि पिछले पांच वर्षों से रांची टॉप 30 में भी जगह नहीं बना पा रही है, जबकि रांची शहर की सफाई पर नगर निगम हरेक माह करीब छह करोड़ रुपये खर्च करता है। शहर की सफाई और स्वच्छ पर्यावरण के नाम पर 50 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करके विभिन्न मशीनों की खरीदारी की गयी है। शहर में ठोस कचरा प्रबंधन लागू कर दिया गया है। इसके बावजूद शहर से नियमित रूप से कूड़े का उठाव नहीं हो रहा है। सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार रांची में मात्र 58 फीसदी घरों से ही कूड़े का उठाव हो रहा है। जल-मल निकासी के लिए सीवरेज-ड्रेनेज सिस्टम का अभाव है और 40 फीसदी सार्वजनिक शौचालय भी साफ नहीं होते हैं। सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए पिछले 24 वर्षों से प्रयास हो रहे हैं, लेकिन परिणाम बेहतर नहीं निकल रहे हैं। साफ-सफाई के मोर्चे पर रांची के पिछड़ने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन मुख्य रूप से इसके पीछे कागजी योजना, शून्य कार्यान्वयन और दिखावे की मॉनिटरिंग है। इसके

झारखंड का सिर एक बार फिर शर्म से झुक गया है। राज्य की राजधानी रांची एक बार फिर स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में पिछड़ गयी है। दो दिन पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में घोषित स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के नतीजों में रांची को 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर की श्रेणी में 37वां स्थान मिला। इस साल के सर्वेक्षण में इस श्रेणी में 40 शहर शामिल किये गये थे। नतीजे का मतलब यही है कि रांची देश का चौथा सबसे गंदा शहर है। रांची से नीचे चेन्नई, लुधियाना और मदुरै हैं। झारखंड के लिए संतोष की बात यही रही कि 10 लाख से कम आबादी वाले शहर की श्रेणी में जमशेदपुर को तीसरे सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मिला और बुड़ू को झारखंड का सबसे स्वच्छ शहर का खिताब हासिल हुआ।

टैक्स कलेक्शन में आगे, पर साफ-सफाई भी करें

हरानी की बात यह है कि रांची नगर निगम टैक्स कलेक्शन के



अलावा आम लोगों में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता का अभाव और सामूहिक इच्छाशक्ति का नहीं होना भी इसका कारण है।

कूड़ेदान का अभाव

पहले बात कचरा प्रबंधन की। रांची शायद दुनिया का एकमात्र शहर है, जहां कचरा फेंकने के लिए कोई नियत स्थान नहीं है और न ही

कूड़ेदान की व्यवस्था है। कुछ साल पहले शहर में कूड़ेदान की व्यवस्था की गयी थी, लेकिन अब यह कहीं भी नजर नहीं आता। इसका नतीजा यह हुआ है कि लोग जहां-तहां

कचरा फेंकते हैं और नगर निगम के लोग मनमर्जी के हिसाब से उसे उठाते हैं। इतना ही नहीं, नगर निगम के लोग नाली का कचरा भी सड़क पर ही छोड़ देते हैं, जिससे यह

नगर विकास विभाग भी गंभीर

स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में पिछड़ने को नगर विकास विभाग ने भी गंभीरता से लिया है। राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू कहते हैं, हम इस मामले को लेकर नगर निगम के अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। झारखंड के शहरों को साफ रखने के लिए सरकार के स्तर पर हरसंभव कदम उठाये जायेंगे। इसमें निराश होने की जरूरत नहीं है।



अधिकारी ने कहा, हम लगातार काम कर रहे हैं, मदद करें

इस पूरे मामले पर नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने बातचीत की और प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नगर निगम सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस बार की रैंकिंग जरूर निराशाजनक है, लेकिन आने वाले दिनों में सुधार किया जायेगा। उन्होंने इस मामले में आम लोगों से मदद करने की अपील भी की।

दोबारा नाली में चला जाता है।

सीवरेज-ड्रेनेज का अभाव

शहर के मात्र नौ वार्डों में सीवरेज-ड्रेनेज प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। पिछले एक दशक में मात्र 80 प्रतिशत काम हुआ है। सभी घर सीवर लाइन से नहीं जुड़े हैं। इस पर करीब तीन सौ करोड़ रुपये खर्च हो गये, फिर भी लोगों को फायदा नहीं मिला। शेष बचे 44 वार्डों में सीवरेज-ड्रेनेज का अभी तक डीपीआर ही बना है। काम कब तक शुरू होगा, इसका पता नहीं है।

कागजी योजनाएं

रांची नगर निगम में अब बड़ी-बड़ी कागजी योजनाएं बनती हैं। ठोस कचरा प्रबंधन लागू करने की योजना 13 वर्षों से बन रही है, लेकिन आज तक यह पूरी तरह धरातल पर नहीं उतरी, क्योंकि यह योजना व्यावहारिक नहीं है।

कंसल्टेंट योजना बनाकर देते हैं और अफसर उसकी व्यवहारिकता समझे बिना उसे लागू कर देते हैं। इसी का नतीजा है कि साफ-सफाई नहीं दिखती। घरों से नियमित कूड़ा नहीं उठता। फिर भी निगम के कर्मचारी गीला-सूखा कूड़ा अलग नहीं देने वाले घरों से कूड़ा नहीं उठाने की धमकी देते हैं।

शहर की सफाई की निगरानी करें

रांची दुनिया का एकमात्र ऐसा शहर है, जहां नगर निगम की कोई जिम्मेदारी नहीं है। कोई अफसर या कर्मी आम लोगों की न तो शिकायत सुनता है और न सुझाव पर ही ध्यान देता है। कई बार तो साफ-सफाई के लिए निगम कर्मियों और आम लोगों के बीच झगड़े तक हो जाते हैं। इसके साथ साफ-सफाई की निगरानी भी नहीं होती है। कोई ऐसा सिस्टम नहीं है, जहां से पूरे शहर की सफाई की निगरानी की जा सके।

विकास योजनाओं को गति देने के लिए उद्योग सचिव ने दिल्ली में की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा निर्देश पर राज्य में विकास योजनाओं को गति देने के उद्देश्य को लेकर उद्योग सचिव अरवा राजकमल और जियाडा के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन ने शनिवार को दिल्ली में विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की।



झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने नयी दिल्ली में जापानी अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआइसीए) इंडिया की अपर मुख्य विकास विशेषज्ञ अदिति पुरी के साथ एक बैठक की। इसमें जेआइसीए ने औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य अवसंरचना और कौशल विकास पर झारखंड के कार्यों की सराहना की और रणनीतिक सहयोग की संभावनाओं में गहरी रुचि व्यक्त की। उद्योग सचिव ने जापान

एक्सपर्टल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेस्टीआरओ) इंडिया के मुख्य महानिदेशक सुजुकी ताकाशी से मुलाकात की। जेस्टीआरओ ने झारखंड को जापानी निवेशकों से जोड़ने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। दोनों पक्ष नये निवेश अवसरों को खोलने के लिए आउटरीच कार्यक्रमों पर सहमति बनी है। जबकि एक बैठक नयी दिल्ली स्थित झारखंड भवन में

एनइसी कॉरपोरेशन के कॉरपोरेट स्ट्रेटेजी के रयोजेई आइबा के साथ हुई। आइटी सॉल्यूशन, दुर्लभ मृदा खनिज खनन के लिए डिजिटल तकनीकों और एनइसी के सहयोग से एक जापानी भाषा अकादमी की स्थापना में संयुक्त उद्यम के अवसरों की खोज करेगी। एनइसी ने झारखंड की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में उसके साथ साझेदारी करने में गहरी रुचि व्यक्त की।

श्रावणी मेला : श्रद्धालुओं की सेवा गर्मी से राहत देने के लिए शुरू की गयी इंद्र वर्षा



आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। बाबांनगरी देवघर में राजकीय श्रावणी मेला 2025 कई मायनों में खास है। ऐसे में बाबा वैद्यनाथ की नगरी आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मिस्ट कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है ताकि जलापण हेतु कतारबद्ध श्रद्धालुओं को लगातार उमस भरी गर्मी में ठंडक महसूस होती रहे। इसके अलावे मिस्ट कूलिंग सिस्टम का उपयोग जलापण हेतु कतारबद्ध

श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु संस्कार मंडप के दोनों तलों पर किया गया है। साथ ही नेहरू पार्क होलिंग्स पॉइंट के दोनों पंडाल में मिस्ट कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है। इसके अलावे कांव्रिया पथ में दुम्मा से खिजुरिया तक गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कुल 11 जगहों पर इंद्र वर्षा की व्यवस्था के अलावा आवश्यक अनुसार पानी के फुहारों व छिड़काव की व्यवस्था रुटलाइन में सुनिश्चित की गयी है।

आइएएस पूजा सिंघल के खिलाफ नहीं मिली अभियोजन की स्वीकृति

प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत से मांगी अभियोजन की स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने मनी लाउंड्रिंग के आरोपी आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति नहीं दी है। इडी ने सरकार से मनी लाउंड्रिंग के आरोपों के मद्देनजर अभियोजन स्वीकृति मांगी थी। 120 दिनों बाद भी सरकार से जवाब नहीं मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने पिटीशन दायर कर न्यायालय से सरकार की तरफ से जवाब नहीं मिलने को अभियोजन स्वीकृति मानने का अनुरोध किया है।

इडी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में करीब पांच महीना पहले राज्य सरकार से पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी थी। नवंबर 2024 से पहले तक मनी लाउंड्रिंग के आरोप में



किसी अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार से अभियोजन स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं होती थी।

इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के बाद नवंबर 2024 में दिये गये फैसले में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की अनुमति को आवश्यक बताया था।

इडी ने सुप्रीम कोर्ट के इसी फैसले के आलोक में पूजा सिंघल के खिलाफ राज्य सरकार से मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। लेकिन सरकार ने चार महीना गुजर जाने के बावजूद पूजा सिंघल के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी थी। इसके बाद इडी की ओर से ट्रायल कोर्ट में एक पिटीशन दायर किया गया। कोर्ट में दायर पिटीशन में कहा गया है कि सरकार ने निर्धारित 120 दिनों के भीतर अभियोजन स्वीकृति नहीं दी है। इडी की ओर से ट्रायल कोर्ट से यह अनुरोध किया गया है कि सरकार की चुप्पी को अभियोजन स्वीकृति मानी जाये। इसके लिए इडी की ओर से सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये कई दिशा निर्देशों को बतौर उदाहरण पेश किया गया है।

स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष डॉ शंभू प्रसाद सिंह ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी रॉचर शाखा का आधुनिकीकरण और मजबूती काण्ड हेतु ब्लड कंपोनेंट्स, मशीन, ओपीडी सेवा, भवन का जीर्णोद्धार कार्य एवं अन्य प्रस्ताव को उनके समक्ष रखा। इस बैठक में कार्यकारिणी समिति सदस्य त्रिनयन कुमार, प्रदीप राय, सत्येंद्र कुमार, गुरदीप सिंह, रवि दत्त, अमित शर्मा एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता प्रदीप राय ने दी।

इंडिया गठबंधन की ऑनलाइन बैठक : हेमंत का केंद्र पर तीखा हमला

संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है भाजपा : हेमंत सोरेन

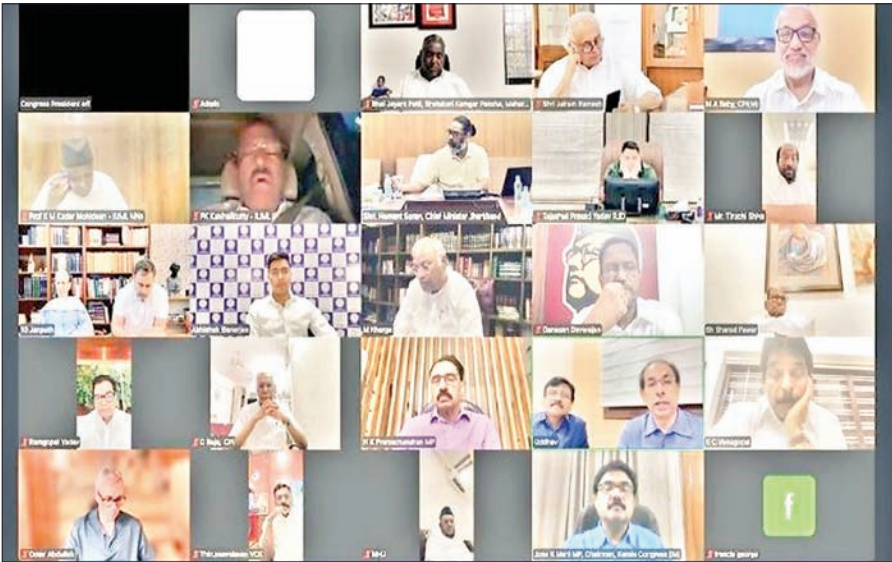
पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार से जवाबदेही की मांग की

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर उठाये सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को इंडिया गठबंधन की एक ऑनलाइन बैठक में शामिल होकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। बैठक में सोरेन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार से सख्त जवाबदेही की मांग की। उन्होंने कहा, देश को यह जानने का भी अधिकार है कि इस घटना को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत और स्पष्ट समर्थन का अभाव क्यों रहा? हमारी विदेश नीति इतनी लचर क्यों रही?

सोरेन ने पहलगाम हमले को कारगरान करार देते हुए सवाल उठाया कि आखिर देश की विदेश नीति इस संकट के समय इतनी



कमजोर क्यों नजर आयी। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह न केवल देश को स्पष्ट जानकारी दे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी प्रभावी प्रतिक्रिया दे।

बैठक में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में चलाये जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण, एसआइआर) को लेकर भी हेमंत सोरेन ने गंभीर चिंता जतायी। उन्होंने आरोप

लगाया कि, बिहार में जिस तरह से एसआइआर प्रक्रिया चलाई जा रही है, उससे स्पष्ट है कि भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है और अपने राजनीतिक लाभ के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है।

सोरेन ने कहा कि इंडिया गठबंधन केंद्र सरकार की हर

जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एकजुट और प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी दोहराया कि गठबंधन देश में लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करता रहेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश की राजनीति में विपक्षी एकता और संस्थानों की निष्पक्षता को लेकर बहस तेज होती जा रही है।

सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल में सलाद बनाओ प्रतियोगिता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेंट माइकल्स पब्लिक स्कूल, न्यू अशोक नगर में प्राइमरी सेक्शन (कक्षा 1 से 5) के बच्चों के बीच सलाद बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और फलों और सब्जियों के महत्व को समझने का अद्भुत परिचय दिया। बच्चों ने खीरा, गाजर, प्याज, शिमला मिर्च, टमाटर, चुकंदर, मूली, मक्का, सेब, संतरा, अनार, अंगूर, केला आदि फलों और साग सब्जियों का उपयोग कर सुंदर-सुंदर आकृतियां बनायीं। बच्चों ने मोर, खरगोश, फूल, केक, बटरफ्लाई, झरना, बास्केट, ट्रे, रोज, डॉग, और फ्रूट फेस जैसी



अद्वितीय डिजाइनों को प्रस्तुत किया। बच्चों को यह सिखाया गया कि स्वस्थ शरीर और तेज दिमाग के लिए प्रतिदिन फल और सब्जियां खाना बेहद जरूरी है। बच्चों में क्रिएटिविटी, टीम वर्क, क्लीननेस

और हेल्दी इटिंग की भावना को प्रोत्साहित करना। बच्चों को यह बताया कि बिना आग पर पकाये बिना भी स्वादिष्ट और पोषण से भरपूर भोजन तैयार किया जा सकता है। फल और सब्जियां न केवल

रंगीन और स्वादिष्ट होती हैं, बल्कि शरीर को विटामिन, फाइबर और मिनरल्स भी देती हैं। बच्चों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि वे अपने आहार में फलों और सब्जियों को शामिल करें।

एमजी हेक्टर मोटर्स की वर्षगांठ पर ग्राहक मीट का आयोजन

हरी झंडी दिखाकर कार रैली को रांची से पतरातू रवाना किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। एमजी हेक्टर मोटर्स के छह साल पूरा होने पर कंपनी ने शनिवार को ग्राहक मीट का आयोजन किया। इसके साथ ही एक रांची से पतरातू के लिए कार रैली निकाली गयी। इस रैली में एमजी हेक्टर की तीस गाड़ियों को शामिल किया गया। वहीं कंपनी के अधिकारी आजाद सिंह और जीएम सेल्स देवाशीष मुखर्जी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर कार रैली को रवाना किया। उन्होंने कहा कि एमजी हेक्टर का छह साल पूरा होने पर पूरे भारत में एमजी हेक्टर मोटर्स वर्षगांठ मना रही है। साथ ही ग्राहक मीट का भी अभी आयोजन किया गया है। पतरातू रिजॉर्ट में गाहकों के साथ गेट टू गैटर का आयोजन किया गया। इसमें कई ग्राहकों को सम्मानित भी किया गया। ग्राहकों



ने एमजी हेक्टर गाड़ी के बारे में बहुत ही अच्छा अनुभव बताया है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राहकों के साथ जुड़ाव रखना है। ग्राहकों की संतुष्टि से ही हमारा व्यापार बढ़ता है। एक ग्राहक को एमजी हेक्टर का एक्सपीरियंस अच्छा होगा तो इसके साथ सैकड़ों ग्राहक कंपनी से जुड़ जायेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में एमजी हेक्टर का काफी अच्छा रिसपॉन्स

मिल है। कंपनी ने इलेक्ट्रिक कार भी बाजार में उतार दिया है। झारखंड में एक हजार से ऊपर एमजी के ग्राहक बन चुके हैं। झारखंड में कुल नौ शो रूम एमजी का है, और रांची में दो शो रूम है। आजाद सिंह ने कहा कि एमजी मोटर्स ग्राहकों की मांग पर आने वाले दिनों में और भी कई नये प्रोडक्ट को बाजार में उतारने जा रही है। इसमें काफी प्रीमियम लुक में गाड़ी आवेगी। इस कार्यक्रम को

एएनएम मीडिया से ऑर्गनाइज किया। मौके पर पल्लवी कुमारी, कासिफ रहमान, सहित कई लोग मौजूद थे। वहीं रैली में शामिल कई ग्राहकों ने एमजी हेक्टर गाड़ी का अनुभव मीडिया के सामने शेयर किया। साथ ही कहा कि यह गाड़ी ओर गाड़ी की तुलन में कहीं अच्छी है और इसका माइलेज भी अच्छा है। गाड़ी सर्विसिंग के दौरान कंपनी में रिसपॉन्स अच्छा मिलता है।

आदित्यपुर पुलिस ने चोरी के मामले का किया खुलासा

पांच आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के रोड नंबर-6 निवासी संजय कुमार मोदी के घर में हुई चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। शनिवार को जिले के एसपी मुकेश कुमार लुणाथन ने घटना की जानकारी दी। एसपी ने बताया पुलिस ने चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में संजय गौराई, जावेद अंसारी उर्फ लालटू, रोहित कर्मकार, कुश



कुमार सोनी और पंकज वर्मा शामिल है। जावेद अंसारी, संजय गौराई और रोहित कर्मकार के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक

मामला दर्ज है। आरोपियों के पास से 80 ग्राम चुराये गये सोने में से 35 ग्राम गला हुआ सोना, 8 हजार रुपये नकद, चांदी के आभूषण

और एक ऑल्टो कार बरामद किया गया। एसपी मुकेश कुमार लुणाथन ने बताया चोरी 8 जुलाई को हुई थी। जिसकी शिकायत के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया। छापेमारी दल में आदित्यपुर थाना प्रभारी विनोद तिकी, रंजीत कुमार सिंह, राहुल कुमार, विपुल कुमार ओझा, सुधांशु कुमार, सुरेश राम, राजेश कुमार, रविकांत प्राशर, नीतीश कुमार पांडे, शिव शंकर दास, राघवेंद्र कुमार सिंह शामिल रहे।

अपर बाजार में निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर मजदूर की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अपर बाजार स्थित रांची एक्सप्रेस गली में निर्माणाधीन इमारत से गिरकर एक मजदूर की मौत हो गयी। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, मृतक मजदूर

बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में काम कर रहा था। तभी अचानक असंतुलित होकर नीचे गिर गया। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग और बिल्डिंग में मौजूद अन्य मजदूर तुरंत मौके पर

पहुंचे, लेकिन तब तक मजदूर की मौत हो चुकी थी। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गयी है।

पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के वक्त सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। पुलिस बिल्डिंग के मालिक और ठेकेदार से पृथक्ताछ की है।

त्रिवेणी कंपनी में आइएमएस-रांची विवि के पांच एमबीए छात्रों का कैंपस चयन

7 लाख रुपये तक का पैकेज मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आइएमएस, रांची विश्वविद्यालय के एमबीए सत्र 2023-2025 के विद्यार्थियों ने एक बार फिर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। संस्थान के पांच छात्रों का चयन देश की प्रतिष्ठित कंपनी त्रिवेणी आलमीरा में सहायक प्रबंधक के पद पर हुआ है, जहां उन्हें 7 लाख रुपये वार्षिक पैकेज की पेशकश की गयी है। चयनित छात्रों में आदित्य राज, रोशन मिश्रा, आदित्य तिवारी, मनीष कुमार मेहता तपन पात्र का नाम शामिल है। इस उपलब्धि पर



निदेशक डॉ एसके सिंह और समन्वयक डॉ नीलू कुमारी ने सभी चयनित छात्रों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और उनके

उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निदेशक डॉ सिंह ने कहा कि यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि आइएमएस न केवल शैक्षणिक

गुणवत्ता में अग्रणी है, बल्कि उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल प्रबंधन पेशेवर तैयार करने में भी सक्षम है।

बैंक ऑफ इंडिया ने किसान दिवस का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को बैंक ऑफ इंडिया ने पूरे झारखंड में बड़े उत्साह के साथ किसान दिवस मनाया। इस विशेष अवसर पर बैंक ने झारखंड के विभिन्न जिलों में कृषि ऋण शिविरों का आयोजन किया। कार्यक्रम के तहत बैंक ऑफ इंडिया के प्रधान कार्यालय, मुंबई से विशिष्ट अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक सुधीरंजन पाद्री,



महाप्रबंधक धर्मेजय कुमार और महाप्रबंधक मनोज कुमार के साथ झारखंड प्रदेश के फील्ड महाप्रबंधक गुरु प्रसाद गोंड ने विभिन्न स्थानों पर उपस्थित होकर

कृषि ऋण शिविरों का संचालन किया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य किसानों को सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी देना और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करना था। कार्यक्रम के दौरान किसानों को ऋण लेने की प्रक्रिया, सरकारी योजनाओं के लाभ, और कृषि विकास के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की गयी। किसान

दिवस के तहत शनिवार को कुल 1793 लाभुकों के बीच करीब 90 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया गया। 1821 लाभुकों के बीच 224 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किया गया। इसके अतिरिक्त, इस किसान माह में 19 जुलाई तक कुल 31240 लाभुकों के बीच लगभग 540 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किये गये।

आदित्यपुर में युवक की मौत, पत्नी-बच्चा लापता

हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सातबोहीन स्थित धीराजगंज इलाके में बंद कमरे में एक युवक का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शनिवार सुबह सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस मकान के अंदर में खून से लथपथ शव बरामद किया। मृतक की पहचान गिरिडीह निवासी राजेश कुमार चौधरी के रूप में हुई।वह

हाल ही में अपनी पत्नी और बच्चे के साथ किराए के मकान में रहने आया था।

स्थानीय लोगों ने बताया बीते कुछ दिनों से मकान से तेज दुर्गंध आ रही थी। संदेह होने पर पड़ोसियों ने मकान के दरवाजे को खोलकर अंदर झांका, तो वहां राजेश का शव खून से सना पड़ा मिला। घर बाहर से बंद था,जिससे मामला और भी संदिग्ध बन गया। इस घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।सूचना मिलने पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी

समीर कुमार सवैया और आदित्यपुर थाना प्रभारी विनोद तिकी दल-बल के साथ पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। एसडीपीओ समीर कुमार सवैया ने प्राथमिक जांच में राजेश की हत्या मंगलवार को होने की आशंका जताई।इसके बाद से उसकी पत्नी और बच्चा लापता हैं। उन्होंने बताया हत्या के कारणों और संभावित आरोपियों की पहचान के लिए हर पहलू कर जांच की जा रही है। पुलिस फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड

की मदद से साक्ष्य जुटा रही है। मृतक के परिजनों को भी सूचित कर दिया गया। जल्द ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों पर और स्पष्टता मिल सकेगी। स्थानीय निवासियों में घटना के बाद खौफ और असुरक्षा का माहौल है। पुलिस ने आशवासन दिया जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।फिलहाल पुलिस पत्नी और बच्चे की तलाश और हत्या के कारणों की गहन छानबीन कर रही है।

गोलमुरी फायरिंग मामले का पुलिस ने किया खुलासा हथियार के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। गोलमुरी थाना क्षेत्र के टूटलाटुंगुरी सीपी क्लब के पास बीते दिनों हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। शनिवार को पुलिस ने घटना में शामिल प्रयुक्त हथियार के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया गिरफ्तार आरोपियों में हरप्रोत सिंह उर्फ राहुल गिल, प्रेम कुमार उर्फ आयुष साहू,धीरेन



तंतुबाई को गिरफ्तार किया गया। गोली धीरेन तंतुबाई ने चलाई थी, लेकिन लोचन कुमार बाल-बाल

बच गए। घटना के बाद लोचन कुमार के शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने

कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के निशानदेही पर एक देशी पिस्टल, एक जिंदा कारतूस,दो खोखा, एक चाकू, मोबाइल फोन और दो बाइक बरामद की गयी। छापेमारी अभियान में गोलमुरी थाना प्रभारी राजन कुमार की अहम भूमिका रही। फिलहाल तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 3383 date 19/07/2025. I, Jahid Ali, S/o Leyakat Mian, aged date of birth-24/03/1982, by faith-Islam, by occupation-Business, by nationality-Indian, R/o Vill-Ara Sarubera P.O.-Sarubera P.S.-Mandu, Distt-Ramgarh (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows :-

1. That my actual and correct name is Jahid Ali S/o Leyakat Mian which has been mentioned in my Aadhaar card bearing No-6061 6400 6035 Pan Card Voter ID Card Driving Licensing, Bank Passbook. 2. That my name has been mentioned as Mohammad Jahid S/o. Liyakat Miyan in my passport vide No. K5491297. 3. That Jahid Ali S/o Leyakat Mian and Mohammad Jahid S/o. Liyakat Miyan, Both Name are same and single person i.e myself and my father. 4. that this affidavit is required for authority concern.

अमेरिका की कार्रवाई लेकिन काम अभी अधूरा

अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित और पहलगाम हमले के गुनहगार The Resistance Front (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। यह भारत के प्रयासों की जीत है, लेकिन अभी हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना बाकी है। यह भी देkhना होगा कि अमेरिकी कार्रवाई से पाकिस्तान पर कितना दबाव बनता है। जब तक इस्लामाबाद आतंकियों को स्थांन्सर करता रहेगा, तब तक इस तरह के फ्रंट खड़े होते रहेंगे।

लश्कर का प्रॉक्सि : टीआरएफ पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा का ही एक चेहरा है। जब लश्कर और उसके सरगना हाफिज सईद पर कार्रवाई के लिए पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बढ़ने लगा, तो 2019 में उसने टीआरएफको प्रॉक्सि के तौर पर खड़ा कर दिया, तब से यह संगठन भारत में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। यह जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ ही नहीं, हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में भी शामिल है। सरकार ने 2023 में इस पर बैन लगाया था।

बैन बेअसर : टीआरएफ को संसाधन और समर्थन दे रहा लश्कर-ए-तैयबा पहले ही ग्लोबल टेररिस्ट ग्रुप घोषित है। इसी तरह आतंकी मसूद अजहर के जैश-ए-मोहम्मद पर भी प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसके बावजूद ये दोनों आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं।

दिखाने के लिए हाफिज सईद को जेल में रखा गया है, लेकिन उसकी गतिविधियां पहले की तरह जारी हैं और बाहर उसके बेटे तल्हा सईद ने आतंक फैलाने की कमान संभाल रखी है।

पाकिस्तान पर दबाव : लश्कर या जैश जैसे आतंकी संगठन अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद खत्म नहीं हो पा रहे, क्योंकि उन्हें पाकिस्तान की तरफ से खुराक मिल रही है। जब इस्लामाबाद पर दबाव बढ़ता है, तो वह दिखावटी कदम उठा लेता है और आतंकवाद का कोई एक नया चेहरा तैयार कर दिया जाता है। टीआरएफ के मामले में अमेरिका को पाकिस्तान के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए कि लश्कर पर बैन होने के बावजूद कैसे उसने एक दूसरा फ्रंट बना लिया?

अमेरिकी नीति : सीमापार आतंकवाद को लेकर वॉशिंगटन का नजरिया भारत से अलग दिखता है। पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की भी भूमिका रही है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद डॉनल्ड ट्रंप उनकी मेजबानी करते दिखे। यही नहीं, पाकिस्तान के एयर चीफ ने भी अमेरिका का दौरा किया। अगर अमेरिका टीआरएफ पर बैन का कोई सार्थक नतीजा देखना चाहता है, तो उसे पाकिस्तानी सेना पर प्रेशर बनाना चाहिए।

भारत के लिए मौका : पहलगाम हमले और पाकिस्तान के बीच कनेक्शन के कई सबूत सामने हैं। FATE ने भी मान लिया है कि बाहरी सपोर्ट के बिना इतना बड़ा हमला नहीं हो सकता था। टीआरएफ पर एक्शन का इस्तेमाल भारत को पाकिस्तान की घेरेबंदी करने और वैश्विक मंच पर उसे फिर से बेनकाब करने में करना चाहिए।

पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की भी भूमिका रही है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद डॉनल्ड ट्रंप उनकी मेजबानी करते दिखे। यही नहीं, पाकिस्तान के एयर चीफ ने भी अमेरिका का दौरा किया। अगर अमेरिका टीआरएफ पर बैन का कोई सार्थक नतीजा देखना चाहता है, तो उसे पाकिस्तानी सेना पर प्रेशर बनाना चाहिए।

भारत के लिए मौका : पहलगाम हमले और पाकिस्तान के बीच कनेक्शन के कई सबूत सामने हैं। FATE ने भी मान लिया है कि बाहरी सपोर्ट के बिना इतना बड़ा हमला नहीं हो सकता था। टीआरएफ पर एक्शन का इस्तेमाल भारत को पाकिस्तान की घेरेबंदी करने और वैश्विक मंच पर उसे फिर से बेनकाब करने में करना चाहिए।

अभिमत

आजाद सिपाही

पूरन चंद सरीन

महाराष्ट्र में हिंदी बोलने पर मराठी भाषियों के एक वर्ग द्वारा विरोध और मारापीट करने की घटनाएं और कुछ नहीं, बल्कि एक संवेदनशील मुद्दे की आड़ लेकर अपनी राजनीतिक जमीन को उपजाऊ बनाए रखने की कोशिश है। यह परिपाटी बन गयी है कि जब भी लगे कि जनता को गुमराह कर अपना उल्लू सीधा करना है, तो भाषा की लड़ाई शुरू कर दो और यह केवल एक राज्य तक सीमित नहीं, देश भर में यह पैतरा अपनाया जाता है। इससे किसका लाभ होता है, इसे समझना होगा।

भाषाओं का संगम : भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी और भाषावादी देश है। यहां प्रमुख रूप से और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं के अतिरिक्त लगभग 1600 से अधिक मातृभाषाएं, बोलियां हैं, जिनका अपना इतिहास, संस्कृति और साहित्य है। इस विविधता को न समझ पाने का लाभ आक्रांताओं के रूप में आये मुगलों और अंग्रेजों ने उठाया और भारतीय भाषाओं के सिर पर अपनी भाषाओं को थोप दिया। उर्दू और हिंदी मिल कर हिंदुस्तानी हो गयी और अंग्रेजी राजकाज में इस्तेमाल होने लगी।

जिन प्रदेशों में उनकी अपनी भाषाओं का बोलबाला था, उन पर भी अंग्रेजी लाद दी गयी।

महात्मा गांधी को अंग्रेजों की चाल समझने में देर नहीं लगी। उन्होंने देखा कि हिंदी एक बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है, लेकिन पूरे देश में नहीं। उन्हें लगा होगा कि हिंदी को सर्वमान्य और पूरे देश को जोड़ कर रखने वाली भाषा बनाया जा सकता है, क्योंकि लड़ना है, तो अपनी एक भाषा तो होनी ही चाहिए। अगर हिन्दी को स्वीकार्य भाषा बनाना है, तो सबसे पहले उन राज्यों में इसे पहुंचाना होगा, जहां उनकी

राजनीतिक दलों को अपने स्वार्थ पूरे करने होते हैं और वह तब ही हो सकता है, जब वे किसी न किसी बात पर लोगों के बीच बिखराव पैदा कर सकें।

भारत विवेक का सबसे अधिक आबादी और भाषावादी देश है। यहां प्रमुख रूप से और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं के अतिरिक्त लगभग 1600 से अधिक मातृभाषाएं, बोलियां हैं, जिनका अपना इतिहास, संस्कृति और साहित्य है। इस विविधता को न समझ पाने का लाभ आक्रांताओं के रूप में आये मुगलों और अंग्रेजों ने उठाया और भारतीय भाषाओं के सिर पर अपनी भाषाओं को थोप दिया। उर्दू और हिंदी मिल कर हिंदुस्तानी हो गयी और अंग्रेजी राजकाज में इस्तेमाल होने लगी।

भाषा विवाद अपनी राजनीति चमकाने और अस्तित्व के लिए



देश में भाषा को लेकर अपनी राजनीतिक रेटियां सेंकने वाले दल हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हुए अपनी अस्मिता, संस्कृति और यहां तक कि साहित्य और सिनेमा तक के लिए खतरा बताते हैं। एक झूठ, कि हिंदी को जबरदस्ती लादा जा रहा है, निरंतर फैलाते रहते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हिंदी के बिना इन भाषाई ठेकेदारों का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

अपनी भाषाएं समृद्ध तो हैं, लेकिन उनके देशव्यापी बनने की संभावना नहीं है और हिंदी अपने विविध रूपों में आधे भारत द्वारा बोली और समझी जाती है।

आजादी की लड़ाई में हिंदी का प्रयोग सब जानते हैं। स्वतंत्र हुए तो कुछ नेताओं पर अंग्रेजी का नशा सिर चढ़ कर बोल रहा था और वे इसमें पारंगत होने की लालसा के अतिरिक्त अंग्रेजों को यह दिखाने में लगे रहते थे कि उनके जाने के बाद उन्होंने इसे पूरे देश की भाषा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जो अहिन्दी भाषी हिंदी सीख कर यह उम्मीद लगाये बैठे थे कि उन्हें रोजगार मिलने में आसानी होगी, उन्हें भारी झटका लगा, क्योंकि हिंदी की कद्र तो हिंदी भाषी राज्यों में ही नहीं थी, बल्कि सब जगह अंग्रेजी का बोलबाला था। इससे उन्हें अपने साथ धोखा हुआ, जैसा लगा और उन्होंने हिंदी के विरोध में झंडा उठा

लिया, अपनी आवाज को इतना बुलंद किया कि देश भर में हिंदी विरोध की लहर फैल गई।

सरकार की अक्षमता : सरकार की नीति के अनुसार व्यावहारिक रूप से सभी प्रशासनिक कार्य केंद्र और सभी राज्यों में अंग्रेजी में होने लगे लेकिन क्योंकि हिंदी को भी कानून में अंग्रेजी के बराबर रखा गया था, इसलिए लीपापोती भी करनी थी। विद्वानों की ऐसी मंडली बनाई, जिसने अंग्रेजी शब्दों का हिंदी में ऐसा भ्रष्ट और घटिया अनुवाद किया कि उन्हें बोलना भी मुश्किल था।

उल्लेखनीय यह है कि ये सब अंग्रेजी में ही काम करते थे और उसी के पैरोकार थे लेकिन नाम हिंदी का लेते थे। ऐसे में हमारी जो क्षेत्रीय भाषाएं थीं, वे अलग-थलग पड़ कर अपनी पहचान बनाने का संघर्ष करने लगीं। इसका परिणाम यह हुआ कि वे अपने

प्रदेश में हिंदी प्रदेशों से नौकरी या व्यापार करने आये लोगों का विरोध करने लगे। मराठी न बोल पाने पर पिटाई कर देना इसका ही उदाहरण है।

देश में भाषा को लेकर अपनी राजनीतिक रेटियां सेंकने वाले दल हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हुए अपनी अस्मिता, संस्कृति और यहां तक कि साहित्य और सिनेमा तक के लिए खतरा बताते हैं। एक झूठ, कि हिंदी को जबरदस्ती लादा जा रहा है, निरंतर फैलाते रहते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हिंदी के बिना इन भाषाई ठेकेदारों का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

क्या महाराष्ट्र में हिंदी के बिना सिनेमा बन सकता है? तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में हिंदी के बिना काम चल सकता है? अन्य राज्यों की भाषाएं हिंदी के सहयोग बिना क्या अपना विस्तार कर सकती हैं?

हिंदी में अनुदित या रूपांतरित होकर सभी भाषाओं का श्रेष्ठ और राष्ट्रीय तथा विश्व स्तरीय साहित्य यदि पुस्तकों, नाटकों तथा सिनेमा के माध्यम से प्रसारित होता है, तो इसका अर्थ यह है कि सभी भाषाएं इसके वर्चस्व को स्वीकार करती हैं। लेकिन यह बात राजनीतिज्ञों को सबसे ज्यादा अख्बरती है कि उनके प्रदेश में, मिसाल के तौर पर हिंदी और मराठी भाषी लोग कैसे एक-दूसरे के साथ गलबहियां करते हैं और मिलजुल कर काम करते हैं। इस बात से किसी को कोई आपत्ति नहीं है कि उनके प्रदेश में उनकी भाषा को प्रोत्साहन मिले, लेकिन यदि इसके साथ ही हिंदी को भी रखा जाये, तो इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलेगी, इसका विरोध क्यों होता है? राजनीतिक दलों को अपने स्वार्थ पूरे करने होते हैं और यह तब ही हो सकता है, जब वे किसी न किसी बात पर लोगों के बीच बिखराव पैदा कर सकें।

सरकार की मजबूरी : यह संयोग नहीं एक प्रयोग था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को यह आदेश देना पड़ा कि जब तक अहिन्दी भाषी राज्य न चाहें, अंग्रेजी सरकारी कामकाज की भाषा बनी रहेगी। आज तक यही कायम है। इससे हिंदी की प्रतिष्ठा तो कम हुई ही, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं को भी कुछ नहीं मिला। वे सभी अंग्रेजी के अधीन काम करती हैं। तीन भाषाएं पढ़ने की नीति शुरू से गलत साबित हुई, क्योंकि इसे अमल में लाने के लिए दोगली नीति अपनाई गयी। हिंदी थोपे जाने का भ्रम इसी नीति ने पैदा किया। लोग भाषा को लेकर एक दूसरे से नफरत करने और आपस में लड़ने लगे। या तो जैसा है, वही स्वीकार करें, जैसे कि अंग्रेजी की अनिवार्यता और हिंदी सहित सभी भाषाएं उसके माध्यम से ही फले-फूलें अथवा कुछ और जिसके जरिए भारतीय भाषाओं के सामने उनकी पहचान का संकट न हो।

आरएसबी ग्लोबल ने ‘एक पहल’ की तीसरी वार्षगांठ मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। देश की अग्रणी कंपी वॉन-ऑटो घटक निर्माण कंपनी आरएसबी ग्लोबल ने अपने महिला सशक्तिकरण मंच ‘एक पहल’ की तीसरी वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।शनिवार को ह्णक कदम, अनेक सपनेह की थीम पर आयोजित कार्यक्रम मे विभिन्न इकाइयों की महिला कर्मचारियों ने आत्मविश्वास और उत्साह के साथ भाग लिया।इस अवसर पर प्रेरणास्पद महिलाओं में पद्मश्री एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सह तीरंदाजी कोच पुर्णिमा महतो,अर्धशास्त्री, लेखिका व सामाजिक उद्यमी डॉ. पुर्णिमा डोरे,एक्सेस्ट फतह करने वाली ओडिशा की सबसे युवा पर्वतारोही स्वर्णलता दलाई ने अपने जीवन संघर्ष और उपलब्धियों को साझा करते हुए महिलाओं को स्वावलंबन,नेतृत्व और सतत विकास के लिए प्रेरित



किया।कार्यक्रम में ह्णकल की खोज, आज का बोझह नामक मंचन के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण पर सार्थक संदेश दिया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, टीम लीडरों के प्रेरक वक्तव्य और प्रतीकात्मक गतिविधियों ने आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का संचालन जया सिंह और गजल भामरे ने प्रभावशाली ढंग से की।आरएसबी की कार्यकारी निदेशक निर्मला बेहरा के द्वारा प्रारंभ की गई ह्णएक पहलह्ण अब एक सशक्त आंदोलन बन चुकी है। जो स्वास्थ्य और स्वच्छता,शिक्षा और विकास, सुरक्षा, सामुदायिक सेवा पर

समय कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. में करोड़ों के गबन का आरोप, निदेशक राजेश सिंह ने कराया मामला दर्ज

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। समय कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राजेश कुमार सिंह ने कंपनी के तीन अन्य निदेशकों अनूप रंजन, राम प्रकाश पांडेय और राजीव कुमार पर करोड़ों रुपये गबन करने के मामले में साकबी थाना में मामला दर्ज कराया। राजेश कुमार सिंह के अनुसार अप्रैल 2017 से नवंबर 2024 के बीच करीब 9.06 करोड़ रुपए के गबन किया गया।उन्होंने आरोप लगाया उक्त राशि ब्याज और ब्याज के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कंपनी से निकाल ली गई, जबकि संबंधित निदेशकों ने न तो कंपनी में कोई पूंजी लगाई थी और न ही कोई लोन दिया था। उन्होंने कहा पूरा कृत्य एक आपराधिक षड्यंत्र और फजीवुडि के तहत किया गया। राजेश सिंह ने बताया जब उन्होंने इसका विशेष किया और हिसाब मांगा, तो तीनों निदेशकों ने उन्हें और उनकी पत्नी को निदेशक पद से हटाने का प्रयास किया। जिसके विरुद्ध उन्होंने एनसीएलटी कोलकाता में केस दायर किया। कोर्ट ने कंपनी संरचना में बदलाव पर रोक लगा दी।



जर्जर सड़कों की मुआवजे की उठाई मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/पोटका। पोटका विधायक संजीव सरदार ने मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन से शिष्टाचार मुलाकात की। शनिवार को मुलाकात के दौरान विधायक ने पोटका प्रखंड में जर्जर सड़कों की मरम्मत और भारी बारिश से प्रभावित ग्रामीण परिवारों को तत्काल आवासीय मुआवजा और सहायता प्रदान करने की मांग प्रमुखता से रखी।विधायक श्री सरदार ने कहा पोटका के कई गांवों



की सड़कें वर्षों से जर्जर हालत में हैं।ग्रामीणों को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सचिव से अनुरोध किया ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आने



के प्राचार्य अरुण कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सभी ने बुद्धिजीवी मंच के पहल की सराहना की।इस अवसर पर पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के सफलता प्राप्त 40 से अधिक बच्चों को पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया।मौके पर नीट (मेडिकल प्रवेश परीक्षा) में सफल बोड़ाम की अर्पिता महतो,इंटर टॉपर एवं बीएचयू छात्र मनोज महतो,और जेईई मेंस सफल पटमदा के उत्तम कुमार सिंह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

गई।इस अवसर पर बुद्धिजीवी मंच पटमदा के अध्यक्ष गोपाल कुमार, सचिव कल्याण कुमार गोरई, कोषाध्यक्ष विजय कुमार मंडल, मिहिर कुमार प्रमाणिक, नितार्इ चंद्र गोरई, रवींद्र नाथ सिंह और बुंदावन महतो समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन नितार्इ चंद्र गोरई व धन्यवाद ज्ञापन मिहिर कुमार प्रमाणिक ने की।यह आयोजन न केवल प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने का माध्यम बना बल्कि क्षेत्र में शिक्षा के प्रति उत्साह और प्रेरणा का संदेश भी दिया।

ग्रामीण विकास सचिव से मिले पोटका विधायक

वाली योजनाओं के माध्यम से इन सड़कों का शीघ्र पुर्ननिर्माण कराया जाए।वही विधायक ने हाल ही में हुई भारी वर्षा के कारण कई ग्रामीणों के घरों के क्षतिग्रस्त होने और आजीविका प्रभावित होने की जानकारी दी। उन्होंने पीड़ित परिवारों को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत जल्द से जल्द राहत उपलब्ध कराने की मांग की।साथ ही विधायक श्री सरदार ने अबुआ आवास योजना में शामिल लाभुकों की सूची में हुई स्कोरिंग गड़बड़ी पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया वृष्टिपूर्ण स्कोरिंग के चलते कई वास्तविक जरूरतमंद परिवारों के नाम सूची में

नीचे चले गए हैं, जिससे वे योजना के लाभ से वंचित रह सकते हैं।विधायक ने सचिव से अनुरोध किया सूची में संशोधन कर वास्तविक पात्रों का चयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्तियों तक पहुंच सके।सचिव के. श्रीनिवासन ने विधायक की बातों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वासन दिया सरकार पोटका क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देगी।उन्होंने बताया आपदा प्रभावित परिवारों को आवासीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

सिदगोड़ा सूर्यधाम की जलाभिषेक यात्रा 28 जुलाई को, हजारों महिलाएं लेंगी भाग



जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर (28 जुलाई) सिदगोड़ा सूर्यधाम में आयोजित होने वाली भव्य जलाभिषेक यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। बारीडीह हरि मंदिर मैदान से प्रातः 7 बजे यात्रा आरंभ होगी, जिसमें हजारों महिलाएं भाग लेंगी।समिति के वरिष्ठ सदस्य मिथिलेश सिंह यादव व खेमलाल चौधरी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में जनसम्पर्क व बैठकें जारी हैं।यात्रा में गंगाजल से जलाभिषेक, भक्तिमय झाकियां, गीत-संगीत और जयघोष शामिल रहेंगे।यात्रा के बाद मंदिर परिसर में भोग-प्रसाद का वितरण होगा और परिसर को फूल व विद्युत सज्जा से सज्जा जाएगा। बैठक में सुधा यादव, उर्मिला दास, बिमला साहू समेत कई महिलाएं उपस्थित रहें।

गम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिव्यांग वृद्ध की मौत का मामला गरमाया

सरायकेला (आजाद सिपाही)। गम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ओपीडी के सामने बीते दिनों एक दिव्यांग वृद्ध की मौत के मामले का डीसी ने संज्ञान में लिया। स्थानीय पूर्व पार्षद और ग्रामीणों ने मौत के लिए स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी।शनिवार को डीसी नीतीश कुमार सिंह ने सरायकेला सिविल सर्जन को त्वरित जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिए।डीसी ने स्पष्ट किया जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।सिविल सर्जन ने बताया डीसी के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया जांच निष्पक्ष तरीके से की जाएगी और यदि किसी की लापरवाही पाई गई तो प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।वही क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। उनका आरोप है स्वास्थ्य केंद्र में समय पर इलाज न मिलने और कर्मचारियों की उदासीनता के कारण दिव्यांग वृद्ध की जान गई है। उन्होंने चेतावनी दी यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।अब सबकी निगाहें सिविल सर्जन द्वारा सौंपे जाने वाली जांच रिपोर्ट और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। ग्रामीणों की मांग है दोषियों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द दंडित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।



उपायुक्त ने निर्माणाधीन जेल का किया निरीक्षण

उपकारा नगर ऊंटारी को शीघ्र शुरू करवाने की दिशा में तेजी लाने का निर्देश



एनाएच-39 झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा पर विधि-व्यवस्था की भी की समीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता
बंशीधर नगर। शनिवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव ने नगर ऊंटारी स्थित उपकारा (सब-जेल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन निर्माण की प्रगति, सुरक्षा मानकों, जल-विद्युत आपूर्ति, कैदियों के आवासीय प्रावधानों एवं मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। उपायुक्त ने जेल परिसर के सभी वार्डों का स्वयं निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नगर ऊंटारी उपकारा को शीघ्र कार्यशील बनाया जायेगा, ताकि जिला में कारागार प्रबंधन और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी हो सके। साथ ही, कारा के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अभियंताओं को कड़ी हिदायत दी गई। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि आगामी वर्ष की शुरूआत से उपकारा को पूरी तरह से संचालन में लाने का लक्ष्य रखा गया है। इस निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त श्री यादव ने गढ़वा-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39) पर झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा स्थित बिलासपुर चेक पोस्ट का भी दौरा

किया। वहां उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र की विधि-व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, निगरानी तंत्र एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सतत मजबूत बनाये रखा जाये। सदिग्ध गतिविधियों पर पैनी निगरानी और वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाये, ताकि राज्य की सीमाओं पर कानून व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे। इस अवसर पर उपायुक्त के साथ अनुमंडल पदाधिकारी सह जेल अधीक्षक गढ़वा संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी नगर ऊंटारी प्रभाकर मिर्धा, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता प्रेमलाल

सभी प्रखंड, अंचल तथा अन्य सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण लगातार किया जायेगा : उपायुक्त

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। शनिवार को उपायुक्त दिनेश कुमार यादव द्वारा गढ़वा जिले के नगर ऊंटारी प्रखंड का दौरा करते हुए अनुमंडल कार्यालय श्री बंशीधर नगर, प्रखंड -सह- अंचल कार्यालय नगर ऊंटारी एवं नगर पंचायत कार्यालय श्री बंशीधर नगर का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री यादव द्वारा संबंधित कार्यालय प्रधान एवं उनके अधीन अन्य पदाधिकारियों, कर्मियों को अपने-अपने कार्यालय में दैनिक उपस्थिति निश्चित रूप से दर्ज करते हुए सरकारी कार्यों को निष्पादित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपरोक्त सभी कार्यालयों की उपस्थित पंजी मंगाई गयी और कर्मियों को बुलाकर बातचीत किया गया। इस अवसर पर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में आए हुए ग्रामीणों से भी उपायुक्त ने संवाद कर उनके समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री यादव ने पाया कि प्रखंड -सह- अंचल कार्यालय, नगर ऊंटारी के कार्यालय परिसर में ही छात्रों के लिए सरकारी योजनाओं के तहत वितरण किये जाने वाले साईकल असेंबल की जा रही है, जिसे प्रखंड परिसर के शालीन वातावरण के विरुद्ध मानते हुए इसे अनुचित ठहराया और कड़ी आपत्ति जतायी, साइकिल फिटिंग का कार्य किसी अन्य स्थान पर करने हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सरकारी कार्यालयों के परिसर में गंदगी एवं अव्यवस्था नहीं फैलाने एवं कार्यालय परिसर को स्वच्छ रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिले के सभी प्रखंड, अंचल तथा अन्य सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण आगे भी लगातार किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान यदि कोई भी कर्म या पदाधिकारी अनुपस्थित पाये गये अथवा कार्यों में लापरवाही बरती गयी, तो निश्चित रूप से उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि कार्यालय में ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध ढंग से सभी सरकारी कार्यों का निष्पादन किया जाये।

सिंह, अंचल अधिकारी नगर ऊंटारी एवं पुलिस प्रशासन के अन्य वरीय विकास कुमार सिंह सहित जिला अधिकारी भी उपस्थित थे।

बाबाधाम के लिए युवा जत्था हुआ रवाना



रमना (आजाद सिपाही)। रमना प्रखंड के हरादाग कला के भारी संख्या में बाबाधाम के लिए जत्था युवा जागरण मंच के तत्वधान में रवाना हुए।

इसके पूर्व स्थानीय मंदिरों में गाजे बाजे व पूजा अर्चना के बाद रवाना हुए। इस अवसर पर कावरियो ने बोल बम,जय भोलेनाथ आदि के गगन चुंबी नारे लगाये। इस अवसर पर कावरियों ने कहा कि घर परिवार गांव घर के खुशहाली को लेकर बाबा भोलेनाथ का दर्शन कर प्रार्थना करेंगे। इस दरम्यान पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। इस मौके पर मंच के कोषाध्यक्ष डॉक्टर अशोक चौधरी, सकेंद्र चौधरी, विनोद चौधरी, नंदलाल चौधरी, कमलेश चौधरी, वार्ड सदस्य रामनाथ चौधरी, बुद्धि नारायण साह, संतोष साह, संतान साह, अनिल चौधरी, जितेंद्र, सुनील, सोभन, विमलेश, तुलसी चौधरी, राजेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

थाना दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया थाना परिसर मे थाना दिवस के अवसर पर पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कुल डेढ़ सौ छायादार एवं फलदार पौधे लगाये गये। इस कार्यक्रम में सीडीपीओ रोहित रंजन सिंह व थाना प्रभारी सह इस्पेक्टर अभिजीत गौतम मिश्रा संयुक्त रूप से पौधा रोपण कर इसकी शुरूआत की। इस अवसर पर एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह ने कहा कि वृक्षों के बिना जीवन संभव नहीं है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम अधिक से अधिक पौधा लगायें और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस मौके पर उपस्थित किशोर कुमार दिलीप रंजन व सभी थाना परिसर के पदाधिकारी उपस्थित थे।



थाना दिवस पर 24 जमीनी मामलों की हुई सुनवाई

बरडीहा (आजाद सिपाही)। बरडीहा थाना परिसर में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ राकेश सहाय ने की।

कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद सहित अन्य मामलों से संबंधित कुल 24 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अंचल स्तर के मामलों का तत्काल निपटारा किया गया। जबकि जिला स्तरीय मामलों को अग्रेतर कार्रवाई के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों को ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में सड़कों पर फिसलन अधिक होती है, ऐसे में दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा के लिहाज से यह नियम जीवन रक्षक सिद्ध हो सकते हैं। कार्यक्रम में कई अन्य पदाधिकारी एवं कर्म भी उपस्थित थे।



श्रवण पुनः युवा मोर्चा गढ़वा जिलाध्यक्ष बने, लोगों ने दी बधाई

रंका (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा गढ़वा के पूर्व युवा जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह उर्फ संजय छोट्टे ने दुबारा पुनः युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर खुशी जाहिर करते हुए पार्टी संस्थापक संरक्षक बाबा दिशेम गुरु शिबू सोरेन, झामुमो केन्द्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केन्द्रीय महासचिव पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का तहेदिल से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें पुनः झारखंड मुक्ति मोर्चा, युवा मोर्चा गढ़वा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेवारी देने के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं।



बीएचएमएस के जूनियर बैच ने अपने सीनियर स्टूडेंट के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता
गढ़वा। देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल में बीएचएमएस के जूनियर बैच ने अपने सीनियर बीएचएमएस बैच 2018-19 और 2019-20 के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम गुरुपद संभवराम ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बीडीएसयू के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह और बीडीएसयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एमके सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में सीनियर छात्रों को



सम्मानित किया गया। कुलाधिपति ने अपने संबोधन में बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए एक अच्छा होम्योपैथिक चिकित्सक बनकर समाज में वंचित और गरीब लोगों को इलाज देने का आह्वान किया। कुलपति ने अपने संबोधन में छात्रों को सफल होम्योपैथिक चिकित्सक बनने की शुभकामनाएं

दीं। इस अवसर पर, कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) केशवेंद्र कुमार तिवारी ने अपने भाषण में सीनियर छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और जूनियर छात्रों को उनके आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और सभी उपस्थित लोगों ने इसका आनंद लिया।

आरके पब्लिक स्कूल, उचरी, मझिआंव में नये बदलाव : एफ एफ - ॥ परीक्षा परिणाम घोषित

आजाद सिपाही संवाददाता
मझिआंव। शनिवार को आरके पब्लिक स्कूल, उचरी, मझिआंव में अलख नाथ पांडेय एवं नये प्रधानाचार्य केआर झा के द्वारा एफ ए-॥ की परीक्षा के परिणाम घोषित किये गये। इस अवसर पर अभिभावकों और शिक्षकों की उपस्थिति रही, जिसमें छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की गयी। इस सम्मेलन में साय ही एक और महत्वपूर्ण आयोजन हुआ, स्कूल की नयी टाटा बस का उद्घाटन किया गया। अपने संबोधन में निदेशक पांडेय ने नये प्राचार्य केआर झा का सभी अभिभावकों से परिचय कराते हुए कहा कि विद्यालय के लिए हर्ष का विषय है कि श्री झा ने प्राचार्य के



रूप में यहां योगदान किया। इन्हें बिहार, झारखंड, एवं अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठत विद्यालयों में शिक्षण का अनुभव है। ये रांची के ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में उप प्राचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य के रूप में काम कर चुके हैं। श्री झा सीबीएसई के प्रसिद्ध रिसोर्स पर्सन और मास्टर ट्रेनर हैं। इनका लाभ विद्यालय को निश्चित मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से उनके विद्यार्थियों के शैक्षणिक

विकास में निरंतरता आयेगी, इस तरह के नवाचरी कदम छात्रों की शिक्षा और सुविधाओं में बदलाव लायेंगे। उपस्थित अभिभावकों ने विद्यार्थियों की प्रगति, विद्यालय की सुविधाएं, साफ -सफाई एवं हरा भरा प्रांगण होने पर प्रसन्नता अभिव्यक्त करते हुए कहा है कि हमें विश्वास है कि आगे भी स्कूल प्रबंधन के द्वारा इसी तरह के निर्णायक फैसले छात्रों के हित में लिए जायेंगे।

बिजली पोल गाड़ने में लापरवाही, ग्रामीणों ने उठाये निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता
डंडई। प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से पोल लगाये जा रहे हैं, लेकिन निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और लापरवाही सामने आ रही है। शनिवार को राठो गांव स्थित सकील अंसारी, रमेश राम, जमील अंसारी, कमलेश राम, मुस्तकीम अंसारी और विजय प्रजापति के घरों के पास पोल गाड़ने के दौरान ग्रामीणों ने निर्माण में गंभीर खामियों को देखा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली पोल गाड़ते समय न तो छरी डाली गयी और न ही बालू व सोमेट जैसी बुनियादी निर्माण



सामग्री का उपयोग किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि पोल खड़ा करने के लिए केवल बीसी,छरी के टुकड़े (चिप्स) और पानी का इस्तेमाल किया गया, जिससे पोल की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के कमजोर पोल कभी भी गिर सकते हैं,

जिससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित होगी बल्कि जान-माल की हानि की भी संभावना बनी रहेगी। उन्होंने चिंता जताई कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मामले की जांच कर

उचित कार्रवाई की मांग की है, ताकि विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता न हो और लोगों की सुरक्षा बनी रहे। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाएं सराहनीय हैं, लेकिन यदि निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया जायेगा, तो इसका लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पायेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि बिजली पोल गाड़ने के काम की निगरानी सुनिश्चित की जाये, ताकि निर्माण कार्य पूरी पारदर्शिता और तकनीकी मानकों के अनुरूप हो सके और लोगों की सुरक्षा बनी रहे।

कांडी पुलिस ने 6 माह से लापता विक्षिप्त महिला को परिजनों से मिलाया

मिली जानकारी के अनुसार बीते शुक्रवार की शाम करीब 6:30 बजे चोराटी पहाड़ के पास एक महिला सदिग्ध अवस्था में पायी गयी, जो ठीक से बोल नहीं पा रही थी



बाजार' लिखा था। इस आधार पर कांडी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांकी थाना से संपर्क साधा। पांकी पुलिस के सहयोग से महिला को पहचान परमिला देवी, पति विनेश उरांव, निवासी शिंजुआ, थाना पांकी, जिला पलामू के रूप में की गई। महिला के पुत्र बैजनाथ उरांव ने बताया कि उनकी मां करीब 6 माह पूर्व

लापता हो गई थीं, जिसकी रिपोर्ट पांकी थाना में दर्ज करायी गयी थी। शनिवार को कांडी पुलिस द्वारा महिला को उनके पुत्र के सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्य को लेकर परिजनों में खुशी की लहर है, वहीं स्थानीय लोगों ने कांडी पुलिस की सक्रियता और मानवता भरे कदम की जमकर प्रशंसा की है।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग। (जिला ग्रामीण विकास शाखा)

-: प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अन्तर्गत रिक्त पदों पर नियुक्ति संबंधी आवश्यक सूचना :-

जिला ग्रामीण विकास शाखा, हजारीबाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अन्तर्गत प्रखण्ड समन्वयक एवं लेखापाल-सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रारम्भिक औपबधिक सूची जिले के वेबसाईट www.hazaribag.nic.in पर अपलोड किया गया है।

अभ्यर्थी अपनी जन्म तिथि, शैक्षणिक योग्यता के प्राप्तांक एवं अनुभव प्रमाण पत्र आदि की जाँच कर अपनी आपत्ति दिनांक 29/07/2025 तक कार्यालय अवधि में साक्ष्य सहित सिधे इस कार्यालय में समर्पित कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् अभ्यर्थियों के दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
उप विकास आयुक्त, हजारीबाग।
PR 357777 Hazaribag(25-26)D

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा (जिला आपूर्ति शाखा)

आम-सूचना

एतद् द्वारा सूचीत किया जाता है कि प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, कोडरमा जिला से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में PHH, AAY एवं GREEN राशन कार्डधारियों अन्तर्गत विभिन्न कारणों से निम्न अयोग्य लाभुकों का नाम विलोपित का आदेश दिया जाता है जो निम्नवत है:-

क्र०	प्रखण्ड का नाम	कार्डधारी की श्रेणी	विलोपित किए जाने का कारण	रद्दीकरण के लिए राशन कार्ड की संख्या	अयोग्य सदस्यों की संख्या
01	चन्दवाहा	NFSA अन्तर्गत PHH, AAY एवं GREEN राशन कार्डधारियों	01 (एक) वर्ष या उससे अधिक दिनों से/ समय से खाद्यान्न का उठाव नहीं किया जाना।	193	364
02	डोनवाव			332	742
03	जयनगर			102	224
04	झुमरी तिलैया			332	841
05	कोडरमा			290	604
06	नगर पंचायत कोडरमा			72	172
07	नरकच्ची			305	689
08	सतगाँवा			464	1288
कुल-				2090	4924

- झारखण्ड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2024 के कंडिका 6 (X) (ग) में प्रावधानित है कि छः माह से अधिक अवधि से जन वितरण प्रणाली दुकान से सरकार द्वारा प्रदत्त किसी भी प्रकार की सामग्री का उठाव नहीं किए जाने पर राशन कार्ड रद्दीकरण योग्य होगा।
- विलोपन हेतु अयोग्य कार्डधारियों/ लाभुकों की विस्तृत विवरणी (राशन कार्ड के साथ) जिला कोडरमा के वेबसाईट www.koderma.nic.in पर उपलब्ध है।
- अगर किसी कार्डधारी/लाभुक को उनके राशन कार्ड के विलोपित होने पर आपत्ति है तो दिनांक 25.07.2025 तक कार्यालय में अपना दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी, कोडरमा।
PR.NO.357715 Food Public Distribution and Consumer Affairs(25-26):D

कार्यालय:- अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, कोडरमा (खाद्य सुरक्षा शाखा) प्रेस विज्ञप्ति

खाद्य कारोबारकर्ता के लिए आम सूचना आगामी त्योहारों के मद्देनजर सभी खाद्य कारोबारियों मिठाई दुकान संचालक रेस्टोरेंट/ढाबा/होटल संचालक शोक विकेटा खुदरा एवं फुटकर विकेटा वितरक फल/सब्जी विकेटा दवा विकेटा मीट/मुर्गा/मछली विकेटा एवं Fast Food विकेटा इत्यादि को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित विन्डो का शत-प्रतिशत अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे:-

- मिठाई बनाने वाले खाद्य कारोबारियों को सख्त निर्देश दिया जाता है कि मिठाईयों को सुरक्षित एवं अत्यधिक आकर्शक बनाने एवं रखने के लिए आवाछित केमिकल एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालने वाले अखद्य/औद्योगिक आकर्शक रंगों का उपयोग नहीं करेंगे। साथ ही FSSAI द्वारा अधिकृत प्राकृतिक एवं कृत्रिम रंगों का मिठाईयों में उपयोग तय मानक (100 Ppm या 100 mg/L) के अनुरूप ही करेंगे।
- विभिन्न प्रकार के मिठाईयों में जैसे :- खोवा/मावा/रसगुल्ला/छेना में आरारोट/आटा/मैदा/सूजी इत्यादि काजू बर्फी में गुलकोज,आटा,मैदा एवं धी में रिफाइन/तेल इत्यादि का मिलावट नहीं करेंगे।
- अपने-अपने खाद्य प्रतिशठानों में FSSAI License/Registration no. का प्रमाण-पत्र अपने परिसर के प्रमुख स्थान पर दर्शाना सुनिश्चित करेंगे।
- विभिन्न खाद्य पदार्थों का निर्माण करते समय सभी कर्मियों के द्वारा संबंधित मिठाई/संस्कार/होटल/ढाबा में Handgloves, Hairnet, बाल ढकने का टोपी एवं Mask आदि का उपयोग करवाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही खाद्य परिसर का समुचित साफ-सफाई रखना सुनिश्चित करेंगे।
- यदि किसी कारण वश अभी तक FSSAI License/Registration no नहीं लिया है अथवा Renewal नहीं कराया है, तो सात दिनों के अन्दर WWW.foscoss.Fssai.gov.in पर जाकर Online वार्षिक कारोबार के अनुसार (12 लाख से कम FSSAI Registraation एवं 12 लाख से अधिक, FSSAI License) आवेदन करना सुनिश्चित करेंगे।
- ज्ञात हो कि बिना Valid FSSAI License/ Registration के खाद्य कारोबार करने पर अधिकतम 10 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।
- पैकेट बंद खाद्य पदार्थ बिना FSSAI License No., बनाने या पैकिंग की तिथि Expiry की तिथि, Batch no., Nutritional सूचना इत्यादि के कय-विकय करना FSS Act,2006 की धारा-52 के तहत दंडनीय अपराध है।
- सभी खाद्य पदार्थों को केवल लाइसेंस प्राप्त या रजिस्टर्ड विकेटाओं से ही खरीदने एवं बेचने के साथ ही इसका रिकॉर्ड रखना सुनिश्चित करेंगे।
- तले भुने हुए गर्म खाद्य पदार्थों जैसे-समोसे,पकौड़े,जलेबी,कचरी,बरा,दुसका आदि को अखबार प्रिन्टेड पेपर एवं प्लास्टिक/पॉलिथीन में देना सख्त मना है।
- सभी होटल एवं रेस्टोरेंट के सुचालकों द्वारा उनके यहाँ कार्यरत कर्मियों का नियमाकुल स्वास्थ्य जाँच कराना एवं मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र रखना आवश्यक है। साथ ही पानी की गुणवत्ता की जाँच का प्रमाण पत्र भी रखना सुनिश्चित करेंगे।
- होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई विकेटा एवं अन्य फास्ट फूड दुकानदार विशेष रूप से दूध,पनीर,खोवा/मावा इत्यादि फूड लाईसेंसधारी वेंडर से ही लेंगे एवं उक्त वेंडर का फूड लाईसेंस व बिल दुकान में रखना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के कम में अज्ञात स्रोत से प्राप्त सामग्रियों को जाँच कर,जपत एवं नश्ट करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।
- सभी स्ट्रीट फूड वेंडर मेला क्षेत्र में लगने वाले अस्थायी स्ट्रीट वेंडर सहित विक्री कि जाने वाले खाद्य सामग्रियों को ठीक से ढक कर रखेंगे एवं वैध FSSAI फूड लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन लेकर ही कारोबार करेंगे।
- सड़क/नाला किनारे एवं खुले में मुर्गा मींस एवं मछली दुकानों का संचालन करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। साथ ही सभी मीट विकेटा अपने परिसर में ब्लैक (Black) शीश लगा करके ही कारोबार करना सुनिश्चित करेंगे। उपरोक्त सभी दिशा-निर्देशों का अनुपालन नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा एवं अधिनियम-2006 की सुसंगत धाराओं के तहत विधि-सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

Note :- साथ ही उपभोक्ताओं को भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी खाद्य कारोबार के द्वारा मिलावटी Expiry अथवा किसी प्रकार का अवगमन खाद्य सामग्री दिया जाता है,तो इसकी शिकायत खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी को जुरमा मो 9971838804 तथा Food Safety Connect App पर अवश्य करें।
इसे अति आवश्यक समझा जाय।

अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, कोडरमा।
PR 357731 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)D

कांग्रेस पार्टी का संगठन सृजन और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। शनिवार के दिन पुराना विधानसभा सभागार धुर्वा रांची में आयोजित संगठन सृजन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देशानुसार रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो के द्वारा मनोनीत किये गये सदस्य सिल्ली पूर्वी मंडल अध्यक्ष देवाशीष दत्ता एवं सिल्ली पश्चिम मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो को नियुक्ति पत्र झारखंड सरकार के कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकौी ने दिया। इस मौके पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो,

रांची जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष नागेंद्र नाथ गोस्वामी, जिला सचिव विधानसभा सभागार धुर्वा रांची में आयोजित संगठन सृजन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निर्देशानुसार रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो के द्वारा मनोनीत किये गये सदस्य सिल्ली पूर्वी मंडल अध्यक्ष देवाशीष दत्ता एवं सिल्ली पश्चिम मंडल अध्यक्ष गुहीराम महतो को नियुक्ति पत्र झारखंड सरकार के कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकौी ने दिया। इस मौके पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चंद्र महतो,

सरस्वती विद्या मंदिर करकट्टा में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन



खलारी (आजाद सिपाही)। सरस्वती विद्या मंदिर करकटा ने फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन डॉ देवनाथ गझू के द्वारा फ्रीता काट कर किया गया। यह मैच बाल वर्ग तथा किशोर वर्ग के बीच खेला गया। सभी फाइनल मैच कक्षा नवम और तथा कक्षा दशम के छात्रों के बीच खेला गया। जिसमें खेल का अच्छा प्रदर्शन करते हुए कक्षा नवम को दो गोल से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच किशोर वर्ग तथा बाल वर्ग के बीच खेला गया, जिसमें किशोर वर्ग बाल वर्ग को दो एक गोल से मात देकर मैच जीत लिया। अंत में सभी खिलाड़ियों को विद्यालय प्रबंधन के द्वारा मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य शालिग्राम सिंह, आचार्य संजीव कुमार सिंह, पूनम पाठक, बसंती कुमारी, अश्विनी कुमारी के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक ने किया कई पंचायतों का दौरा



खूँटी (आजाद सिपाही)। तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने शनिवार को कर्रा प्रखंड की लिमड़ा पंचायत, उड़ीलेक, बकसपुर पंचायत और बजरियागढ़ पंचायत का भ्रमण कर जन समस्याओं की जानकारी ली। विधायक ने जोरदार बारिश से पूर्ण और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त तथा जंगली हाथियों द्वारा तोड़े गये मकानों को देख और प्रभावित ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उन्हें हर संभव मदद दी जायेगी। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और वरित कार्यवाही करते हुए प्रखंड के पदाधिकारियों और पंचायत के पदाधिकारियों को अविलंब भौतिक निरीक्षण करने को कहा। पंचायत के सचिव को ग्रामीणों की समस्या के समाधान करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी अनहोनी नहीं होनी चाहिए। जर्जर मकानों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थान में ले जाने का निर्देश अधिकारियों को दिया। हाथियों द्वारा तोड़े गये मकान का मुआवजा अविलंब देने भी निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को विधायक ने दिया। सभी पंचायत सेवकों और मुखिया को भवन की क्षति को देखते हुए जल्द ही प्राथमिकता के आधार पर आबुआ आवास, भीमराव अम्बेडकर आवास, प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने को कहा। मौके पर सुदीप गुड़िया ने सुख राहत सामग्री, टॉव और पटाखों का भी वितरण किया।

पिपरवार में प्रबंधन और रैयत विस्थापित मोर्चा के बीच सात सूत्री मांगों पर हुई वार्ता

पिपरवार (आजाद सिपाही)। पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में प्रबंधन और रैयत विस्थापित मोर्चा के बीच वार्ता हुई। जिसमें राजधर साईंजि से जुड़े सात सूत्री मांगों को लेकर रैयत विस्थापित मोर्चा विस्थापितों, प्रभावितों, वचितों के हित व समर्थन में रोजगार, लोडिंग एवं ट्रांसपोर्टिंग कार्य, सेपलिंग, मुआवजा, लॉबित नौकरी, भूखंड के बदले एक मुस्त भूगतान, विस्थापितों को निजी कंपनी में बहाली, प्रदूषण में रोक इत्यादि से संबंधित मांगों पर चर्चा की गयी। वार्ता से पूर्व महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष विस्थापितों की एक बैठक हुई, जिसके बाद जोरदार नारेबाजी एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। बैठक में मोर्चा के नेताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि रोजगार से कोई समझौता नहीं किया जायेगा एवं निजी कंपनियों की अन्वेष्टी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। वार्ता में प्रबंधन की ओर से जीएम संजीव कुमार, एसओपी नागेश गोपाल, एसओ हेमचंद्र महतो, सीएचपी पीओ प्रवीण कुमार सिंह, राजधर साईंजि मैनेजर मोहनलाल सिंह, किसन अवस्थी, आभास त्रिपाठी तथा विस्थापितों की ओर से इकबाल हुसैन, रामचंद्र उरांव, बिगन सिंह भोक्ता, रामलखन भोक्ता, सरोज, बीना देवी सहित कई लोग मौजूद थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में मनाया गया येलो डे

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देने के तहत येलो डे हर्बोल्लास से मनाया गया। यह उत्सव ईईडीपी विभाग के नन्हें मुन्ने बच्चों और शिक्षकों के द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर पीले रंग के वस्त्र पहन कर बच्चे स्कूल पहुंचे। कक्षा बाल वाटिक-एक से दूसरी तक के सभी बच्चे अपने साथ पीले रंग की खिलौने, फल, रस्मान, फूल आदि कई वस्तुएं लेकर आए और आयोजन का भरपूर लुत्फ उठाया तथा पीले रंग से अवगत भी हुए। इस दौरान बच्चों ने कई तरह की गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें पेपर पेरिस्टिंग, फिंगर प्रिंटिंग, पेपर क्राफ्टिंग, पेपर कलरिंग आदि शामिल हैं। इस कार्यक्रम में ईईडीपी विभाग की सभी शिक्षिकाओं की सहभागिता एवं भूमिका सराहनीय रही।



जनभागीदारी गतिविधि के तहत जन शिक्षण संस्थान ने खूँटी में निकाली रैली युवा न केवल तकनीकी रूप से सशक्त हों, बल्कि रचनात्मक कार्य करें: राजेश

आजाद सिपाही संवाददाता

खूँटी। केंद्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के स्वर्णिम दस वर्ष पूर्ण होने पर देश भर में 15 जुलाई से 21 जुलाई तक मनाए जा रहे कौशल का दशक, जनभागीदारी पहल के तहत जन शिक्षण संस्थान खूँटी द्वारा शनिवार को खूँटी में रैली निकाली गयी। शहर के भगत सिंह चौक से बिरसा कॉलेज परिसर तक निकाली गयी रैली में संस्था से जुड़े लोगों के अलावा बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। मौके पर जेएसएस के प्रभारी निदेशक राजेश शर्मा ने कहा कि कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने पिछले 10 वर्षों में कौशल की विभिन्न योजनाओं से आत्मनिर्भर भारत की एक मजबूत नींव तैयार की है, जिसमें सबसे ज्यादा योगदान युवाओं का है। उन्होंने कहा कि एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस युग में युवाओं



को प्रासंगिक कौशल से लैस करना बहुत महत्वपूर्ण है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे युवा न केवल तकनीकी रूप से सशक्त हों, बल्कि वह रचनात्मक समस्या समाधान करने वाले और उद्यमी भी बनें। इसके लिए हमें उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करने की है, जिसमें सबसे ज्यादा योगदान युवाओं का है। उन्होंने कहा कि एआई और डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस युग में युवाओं

और मेंटरशिप जैसे अवसर प्रदान करें। आज का युवा सिर्फ नौकरी नहीं मांग रहा है, बल्कि रोजगार के अनेक अवसर भी पैदा कर रहा है। जन शिक्षण संस्थान ने देश भर में ग्रामीण और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। वर्ष 2018 से 2025 के बीच इन संस्थाओं के माध्यम से 30 लाख से अधिक लाभार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिससे उन्हें आत्मनिर्भर

बनने और बेहतर जीविका का अवसर प्रदान करने में मदद मिली। यह संस्थान न केवल कौशल विकास को जमीनी स्तर से ऊपर ले जा रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को भी साकार कर रहा है। रैली समापन के बाद बिरसा कॉलेज परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत सफाई की गयी और ब्लॉचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से डीआरडीए के सुरेश टोप्पो, संकल्प इंस्टीट्यूट के निदेशक राजेश कुमार महतो, नॉलेज हब के निदेशक पंकज कुमार नाग समेत बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोग्राम ऑफिसर सुब्रत सेन प्रधान, सहायक प्रोग्राम ऑफिसर शशि कुमार, प्रभावती कुमारी, निंकुंज टोपनो, राजीव कुमार, धर्मेन्द्र मुंडा, दशाय नाग आदि संस्था के लोगों का योगदान रहा।

बुद्धा पब्लिक स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शनिवार के दिन बुद्धा पब्लिक स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 1 से कक्षा 10 तक के लगभग 30 छात्राओं ने भाग लिया। आयोजन के दौरान कला के प्रति बच्चों की ललक देखते ही बन रही थी। छात्राओं ने एक दूसरे के हाथ पर कई कलाकृतियां बनाकर प्रदर्शन किया। अव्वल प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने कहा कि यह आयोजन भारतीय संस्कृति और परंपरा को संरक्षित एवं



प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। वहीं विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने बताया कि छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लेते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा तथा सांस्कृतिक अभिरुचि का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों की बेहतरीन प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर

दिया। सभी ने सुंदरता, स्वच्छता और रचनात्मकता के माध्यम से अपनी प्रतिभा को उजागर किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में अंजली कुमारी, नकुल बड़ाईक, गोविंदर सिंह, प्रतिमा देवी, सुषमा सिंह, स्मिता, प्रिया, प्रेमचंद्र, जितेंद्र महतो, सुमंत, विपुल एवं रंकिश्वर का काफी सराहनीय योगदान रहा।

महिला प्रतिनिधियों को सशक्त करना सामाजिक प्रगति का आधार है: डीसी

खूँटी (आजाद सिपाही)। डीपीआरसी भवन, खूँटी में शनिवार को रिवेन्ट आरजीएसए योजना के तहत सशक्त पंचायत नेत्री अभियान (इंपावर वूमन पंचायत लीडर कोर्पेन) के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के माध्यम से जिले की सभी महिला मुखिया एवं महिला वार्ड सदस्यों का जिला एवं प्रखंड स्तर पर आयोजित होनेवाले प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधित श्रुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी डॉ शिशिर कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में निवाचित महिला जनप्रतिनिधि मुखिया, वार्ड सदस्य आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को सशक्त करना, पंचायती राज व्यवस्था में उनकी भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बनाना एवं ग्राम स्तर पर सुशासन को बढ़ावा देना है।

तीन अगस्त को विधानसभा का घेराव करेंगे राज्य के सहायक शिक्षक: संजय

आजाद सिपाही संवाददाता

खूँटी। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने तीन अगस्त को विधानसभा घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है। कर्य के मसमातों मैदान में इसको लेकर शनिवार को एक बैठक मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय कुमार पाठक अध्यक्षता में आयोजित की गयी। अध्यक्ष ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर तीन अगस्त को विधानसभा का घेराव किया जायेगा, जिसमें सभी सहायक अध्यक्षपद भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सहायक अध्यापकों की मांगों को लेकर पूरे झारखंड के सभी विधायकों को मांग पत्र सौंपा जा रहा है। जीता मिंज ने कहा कि सरकार ने चुनाव से पहले से वादा किया था कि झामुमो की सरकार बनते ही सभी सहायक अध्यापकों की सेवा स्थायी करते हुए समान काम का समान वेतन देगे, लेकिन इतना समय बीत जाने के बाद भी सरकार का चुप्पी साधे रहना, वादा



खिलाफी है। इसी संबंध में विधानसभा घेराव उग्र आंदोलन का संकेत है। इसके बाबजूद मांगें पूरी नहीं पूरा हुई, पांच सितंबर के मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव किया जायेगा। टोमनाथ सिंह ने कहा कि सरकार एक स्थायी शिक्षक को अस्सी हजार रुपये और सहायक शिक्षकों को मात्र अठारह हजार रु दे रही है, यह कैसा न्याय है। सुनीता कुमारी एवं सुखनाथ हीरो ने कहा कि शिक्षकों में 99 फीसदी स्थानीय हैं और माटी की सरकार

भी यदि नहीं सुनती है, तो पुनः जोरदार आंदोलन किया जायेगा। जेवियर होरो ने आंदोलन को जोदार और उग्र बनाने का आवाह किया। खूँटी जिला के तमाम विधायकों को सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा द्वारा ज्ञापन सौंप कर अपने मांग के समर्थन में आवाज उठाने का आग्रह किया गया। खूँटी विधायक रामसुर्या मुंडा और तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया को ज्ञापन सौंपा गया। मौके पर अध्यक्ष संजय कुमार पाठक, सचिव नेली लूकस टोमनाथ सिंह आदि मौजूद थे।

विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही न बरतें अधिकारी-कर्मचारी: नवीन चंद्र झा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूँटी। तोरपा के प्रखंड विकास पदाधिकारी नवीन चंद्र झंझा ने प्रखंड के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही न बरतें। कोताही बरतने वालों के खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जायेगी। बीडीओ शनिवार को प्रखंड कार्यालय में विकास योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में प्रखंड में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। बीडीओ ने पंचायत सचिवों को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना



के लाभुकों का जिनका बैंक खाता आधार से लिंक नहीं है, उनका खाता 25 जुलाई तक आधार लिंक कराना सुनिश्चित करे। ऐसे लाभुक जिनकी आयु 50 वर्ष के ऊपर है, उन्हें सर्वजन पेंशन योजना से जोड़ें। उन्होंने कहा कि सभी पंचायत सचिव जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र का आवेदन अनावश्यक लॉबित नहीं रखेंगे। सभी आवेदनों का त्वरित एवं

नियमानुकुल निष्पादन करेंगे। उन्होंने अबुआ आवास योजनाओं 23-24, एवं 24-25 के लॉबित आवास को ससमय पूर्ण करने निर्देश भी दिया। जिन लाभुकों ने राशि लेकर काम नहीं किया है उन्हें नोटिस निर्गत करें अथवा राशि वापसी की प्रक्रिया का पालन करें। बैठक में बीडीओ पे मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री पशुधन योजना अंतर्गत शेड निर्माण में प्रगति लाने को कहा गया। बिरसा सिंचाई कूप अंतर्गत बन रहे कूप में कार्य नहीं करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सुरक्षा के दृष्टिकोण से ऐसे कूप

के चारों हो बांस-बाल्लो, झाड़ी रस्सी आदि से घेरा लगाने को कहा। उन्होंने अत्यधिक अधिक वर्षा के कारण ऐसे ग्रामीण जिनका कच्चा मकान है, गिरने या क्षतिग्रस्त कोसंभावना है, उन्हें नजदीक के पक्का भवन में शिफ्ट करने को व्यवस्था करने का निर्देश पंचायत सचिव को दिया। बैठक में प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी आपूर्ति पदाधिकारी, सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता आदि उपस्थित थे।

बूढ़ाडीह गांव में डायरिया से एक व्यक्ति की मौत

आजाद सिपाही



खलारी (आजाद सिपाही)। धमधमिया से दामोदर नदी तक बनने वाले पीसीसी सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास कांके विधायक सुरेश बैठा ने शिलापट्ट पर पर्दा हटाकर किया। यह सड़क धमधमिया शिव मंदिर से लेकर दामोदर नदी घाट तक बनायी जायेगी। कार्यक्रम में इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, पंचायत मुखिया संतोष महली, पंचायत समिति सदस्य सहदेव महली, खलारी प्रखंड समन्वय समिति अध्यक्ष राजेश सिंह मिंटू, विधायक प्रतिनिधि शशि मुंडा, तनवीर आलम, गौरीशंकर महतो, विकी सिंह, बाबू खान, नंदू मेहता, संजय राम, अजय सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

पीएलवी ने विक्षिप्त को जंजीर से कराया मुक्त

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के काट घोड़ा गांव में एक विक्षिप्त व्यक्ति को हाथ और पैर में लोहे का जंजीर लगा दिया गया था, ताकि वे कहीं भाग न जायें और ग्रामीणों को क्षति नहीं पहुंचायें। विक्षिप्त गांव के ही विनोद मांझी का महिनो से मानसिक स्थिति ठीक नहीं रह रहा था। महिनो से वह जंजीर से जकड़ा हुआ कराह रहा था। इसकी सुचना मिलते ही पीएलवी कार्तिक गोप ने मुखिया राखोहरी सिंह मुंडा एवं थाना प्रभारी विक्रम आदित्य पांडे को सूचित किया एवं ग्रामीणों का सहयोग से उसे जंजीर से मुक्त कराया। वहीं पीएलवी कार्तिक गोप ने बताया कि विक्षिप्त को जंजीर मुक्त किया गया एवं एक दो दिन के अंदर सिविल कोर्ट सरायकेला के सचिव से मिलकर इलाज हेतु रिन पास रांची भेजा जायेगा। उन्होंने कहा कि विक्षिप्त का समुचित इलाज कराया जायेगा।



पीपीके कॉलेज बुंदू में फेयरवेल का आयोजन



बुंदू (आजाद सिपाही)। पीपीके कॉलेज बुंदू में शनिवार को अंग्रेजी विभाग के एमए सेमेस्टर 4 विद्यार्थियों के द्वारा फेयरवेल पार्टी रखी गयी, जिसमें अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो डॉ सुमंत कुमार झा सभी विद्यार्थियों का सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पूर्व विभागाध्यक्ष हंस कुमार, रोहित सर, सुषमा उरांव, कल्याण उरांव, सोनी कुमारी, सुरेंद्र राम को बुके देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विनय आदित्य रिया पूजा सलौनी गौतम मुस्कान उजमा आदि छात्र उपस्थित थे।

सोनाहातू में प्रेम प्रदीप और मुरी ओपी में गगन कुमार ठाकुर ने नये थाना प्रभारी के रूप में दिया यागदान



सोनाहातू/मुरी (आजाद सिपाही)। थाना में सादे समारोह में नये थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप कुमार ने योगदान दिया। योगदान के अवसर पर निवर्तमान थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर नये थाना प्रभारी प्रेम प्रदीप कुमार ने कहा कि जनआकांक्षाओं के अनुरूप काम करना प्राथमिकता होगी। जनता और पुलिस के बीच मैत्री कायम होगी। वहीं मुरी ओपी की नये प्रभारी रूप में गगन कुमार ठाकुर ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। उनका स्वागत गुलरस्ता देकर प्रभारी कुदंत कुमार ने किया। मौके पर प्रभारी गगन कुमार ठाकुर ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता विधि व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करना है साथ ही साथ ग्रामीणों की सेवा के लिए 24 घंटा तत्पर रहेंगे। वहीं प्रशासन एवं ग्रामीणों में आपस में तालमेल बनाकर चलना एवं उनकी समस्या का निदान करना हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी। वह इसके पूर्व में लातेहार जिले के बालूमाथ थाना में पदस्थापित थे। इसके पूर्व में मुरी ओपी में कुदंत कुमार प्रभारी के रूप में योगदान दिए थे। उनका स्थानांतरण रांची पुलिस लाइन में हुआ है।

9 अगस्त से केडीएच में 41वीं चैलेंजर फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित होगी



खलारी (आजाद सिपाही)। रैंवो क्लब केडीएच में 41वां चैलेंजर फुटबॉल को प्रतियोगिता का आयोजन 9 अगस्त से किया जायेगा। प्रतियोगिता को लेकर शनिवार को बैठक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष प्रकाश महतो, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर साहू, सचिव राजकुमार मुंडा, सह सचिव अशोक भुइया, कोषाध्यक्ष इंद्रदेव ठाकुर, उप कोषाध्यक्ष, गोविंद कुमार को बनाया गया। जबकि मुख्य संरक्षक के रूप में क्लब के वरिष्ठ सदस्य राजू सिंह का चयन किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में सुनील केवट, रोहन बेदिया, अंकित कुमार, प्रकाश शर्मा, राजीव, अजय चौहान, अमन शर्मा, अजय प्रजापति, महेंद्र गंडू, अजय गंडू, प्रदीप गंडू, राज बहादुर, रंजत उरांव, सुधाशु ठाकुर, हरि मुंडा, टिंकू,शनि उरांव, रवि बेदिया, संतोष गंडू, प्रकाश दास, पवन सिंह, रवि भुइयां, चुन्नु भगत, पप्पू सिंह, कर्ण कुमार, रवि नाहक, आर्यन सिंह, लालू, रवि गौलू, अमन भुइयां, अंकित सिंह, रंजीत कुमार सहित कई लोगों का चयन किया गया।

विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए सभी प्रखंडों में आयोजित की जायेगी क्विज प्रतियोगिता : बंधु तिकी

A large group of people, including men, women, and children, posing for a group photo outdoors in front of a building. The group is diverse in age and attire, with some individuals wearing traditional Indian clothing like saris and dhotis, and others in more casual or semi-formal wear. They are standing on a dirt path or courtyard area. The background shows a simple building with a light-colored wall and a dark roof, and some trees are visible in the distance. The overall atmosphere appears to be a formal or semi-formal gathering, possibly a community event or a group portrait for an organization.

इस अवसर पर राज्य का पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि सभी प्रखंडों में छात्र-छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रथम चरण में नौवीं से लेकर 12वीं तक के छात्र-छात्राओं की परीक्षा ली जाएगी। यह एक उच्च



चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में आक्रोशित ग्रामीणों ने शव के साथ सीएचसी का घेराव कर दिया। मधुसैन हंगमे की सूचना पाकर रौस पर पहुँचे बीडीओ जयपाल सोय, सीओ राबू कमल, थाना प्रभारी हीरालाल साह एवं चिकित्सा प्रभारी डॉ शशिप्रसाद ने ग्रामीणों से वार्ता की। साथ ही इलाज में लापरवाही बरतने वाली चिकित्सक डॉ स्वाति कुमार और डॉ शालेन कर्ज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग पर अड़े थे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। बाद में मृतक की पत्नी द्वारा दोनों चिकित्सकों के विरुद्ध लिखित चिकित्सावत थाना प्रभारी को सौंपा गया। इधर, अगड़ा पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर डॉ स्वाति कुमार एवं डॉ शालेन कर्ज के विरुद्ध कांड संख्या 117/2025 अर्कित कर लिया है। मौके पर पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, सुरेंद्र महतो, समाजसेवी रामपोदो महतो, जलेश्वर महतो, उर्फ मारशल, विज्राम महतो, डॉ रिझु नायक, जगन्नाथ महतो, डॉ ज्योतिष महतो, शिशंकर केसरी, नीलकंठ चौधरी आदि मौजूद थे।

नए थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने उन्होंने कहा कि उनकी पहली न-दुरुस्त करना है। ग्रामीणों और म के लिए खुद उनसे आकर मिलें। त्पर रहेंगे।

ग्रे आत्मनिर्भर और निर्णयक्षम
पूर्ण पहल है : जैलेंद्र कुमार

रण समारोह संपन्न और निर्णयक्षम जैलेंद्र कुमार



अनुशासन और सेवा भावना की कसौटी है। छात्र परिषद का गठन छात्रों को आत्मनिर्भर और महत्वपूर्ण बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रश्मि सिंह मुंडा एवं देव नारायण साहू ने किया। इस मौके पर सभी शिक्षक-शिक्षिका रोहित कुमार महतो, रवि कुमार, नीतु प्रिया एक्का, प्रियंका बड़ाईक, प्रीति बड़ाईक, सुंध्या कुमारी, मल्लिका कुमारी, वीरेंद्र हजाम, फूलो देवी, अनन्या बड़ाईक, बसंती बड़ाईक, स्वेता बड़ाईक एवं नाज़िर खान आदि उपस्थित रहे।



आरम्भ। राज्यसभा सांसद
आदित्य प्रसाद साहू के फंड से
चाड़ू पंचायत के विभिन्न गांवों में
लागवये गये तड़ित चालक यंत्र का
शनिवार को खुद आदित्य साहू एवं
पूर्व सांसद राम टहल चौधरी की
संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।
इस अवसर पर राज्यसभा सांसद ने
कहा कि चाड़ू के नगड़ू, ऊपर
नगड़ू, चाड़ू, खलारी एंव रोहनडी
में अक्सर वज्रपाती की घटना होती
रहती है। जिससे कई लोगों की
जीवन जा चुकी है। यहां के ग्रामीणों
ने इस समस्या से उन्हें अवगत
कराया था। इसके बाद मामले को



तड़ित चालक यंत्र का उद्घाटन करते राज्यसभा सांसद आदित्य साहू एवं अन्य ।

संज्ञान में लेते हुए चाड़ू पंचायत के विभिन्न गांवों में तड़ित चालक यंत्र लगवाया गया है। इस तड़ित चालक कि निष्क्रिय दूरी 500 मीटर होगी। तड़ित चालक यंत्र लगने से इस क्षेत्र में वज्रपात की घटना कम होगी। जिससे जान-

माल की हानी नहीं होगी। उधर, चडू में तड़ित चालक यंत्र लगने से ग्रामीणों में उत्साह दिखा। वहीं, पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि बारिश के मौसम में बड़े पेड़ के नीचे ना जायें। उसकी जगह किसी सुरक्षित एवं सूखे

राज्य को गौरवान्वित किया है। वह आठवीं का छात्र है। उसे आईआईटी बॉम्बे में आयोजित एक सप्ताह की प्रतिष्ठित इंटरशिप के लिए आमंत्रित किया गया। सृजन द्वारा शुरू के केवल दो छात्रों में शामिल हैं जिन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ है और देशभर के केवल 68 विद्यार्थियों में से एक हैं जिनका चयन इंटरशिप के लिए हुआ। यह चयन विद्यार्थी विज्ञान संयोजन भीभीएम के तहत हुआ, जिसमें करीब दो लाख छात्रों ने भाग लिया था। सृजन ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को सफलतापूर्वक पार करते हुए इस मुकाम को हासिल किया। सृजन आईआईटी निदेशकों, वरिष्ठ प्रोफेसरों और वैज्ञानिकों के व्याख्यानों में भाग लिया। प्रयोगशालाओं में वास्तविक वैज्ञानिक प्रयोग किए और देश के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों का भ्रमण किया। इसकी सफलता पर लेडी केसी रॉय मेमोरियल स्कूल में हर्ष व्यक्त किया है। कहा कि सृजन कुमार की यह उपलब्धि न केवल केवल द्वारा, बल्कि पूरे देश के छात्रों के लिए एक प्रेरणा है।

बड़े (आजाद रिषाई)। विविध भाषी स्थित डीपीवी विवेकानंद
पब्लिक स्कूल के अंडर-19 खे-खे की टीम ने सीबीएसई कलस्टर-3
प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजय का खिताब अपने
नाम किया। गिरिडीह स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित इस
प्रतियोगिता में बिहार और झारखंड की कुल 78 टीमों ने भाग लिया था।
डीपीवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल की लड़कियों की अंडर-19 टीम ने पूरे
प्रतियोगिता में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और फाइनल में अपनी
जगह बनाई। यह उपलब्धि स्कूल के लिए इसलिए भी बेहद खास है
क्योंकि यह पहली बार था जब स्कूल के बच्चों ने सीबीएसई खे-खे
प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में डीपीवी विवेकानंद
पब्लिक स्कूल की छात्रा विद्या कुमारी को बेस्ट चेंजर का पुरस्कार दिया
गया। वहीं, प्रधानाचार्य कैलाश कुमार ने टीम के इस ऐतिहासिक
प्रदर्शन पर प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने टीम के साथ गये शिक्षकों
जयशंकर चौधरी, आरती कुमारी और लक्ष्मी उरांव की भी सराहना की।

बुद्धम (आजाद सिपाही)। ठाकुरगंवा स्थित सर जेसी अकादमी स्कूल में शनिवार को संस्थान का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थापक पत्र स्व जनार्दन चौबे की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने स्व जनार्दन चौबे के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने प्रकृति, पर्यावरण एवं अपनी संस्कृति पर कार्यक्रम वितरण करते हुए शिक्षा-पर्यावरण को बढ़ावा देने पर बल दिया। इस दौरान पाठ्यों के संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक भी किया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में रांची के पूर्व ज्जिप उपाध्यक्ष पार्वती देवी के अलावा बुद्धम थाना प्रभारी रितेश कुमार भी शामिल हुए। उन्होंने विद्यालय की सरहना करके हुए कहा कि बुद्धम जैसे क्षेत्र में उन्नत विद्यालय बच्चों के लिए भविष्य में मिल का पथर साबित होगा। यह शिक्षा संस्कार के साथ ही कोशल गुणवत्ता के लिए सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान है, जो सभी बच्चों को विकासपूर्ण शिक्षा देने के लिए समर्पित है। उधर, कार्यक्रम के बाद 750 से अधिक समाज के जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया गया। इस दौरान हिंदुस्तान ओलिपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्व इस्पेक्टर स्पेशल ब्रांज त्रिवेद कुमार, सब इस्पेक्टर प्रताप कुमार और अरविंद की ओर से प्रमाणपत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। वहीं, विद्यालय के पूर्व प्राधन ने सभी अतिथियों को एक-एक पोथा भेंट देकर सम्मानित किया। इस मौके पर नक्सलवाद पर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए रांची में सम्मानित होने वाले बुद्धम के युवा थानाधर सिंह कुमार एवं शिक्षा पर बेहतर कार्य करने के लिए असम के गुवाहाटी में सम्मानित सर जेसी अकादमी स्कूल के संयोजक अखिलेश चतुर्वेदी को पोथा एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया किया गया। इसमें पत्रकार सुदीप सिंह, पत्रकार विजय मिश्रा, दिलीप सोनी, पंकज सिंह, महिला नेत्री पार्वती देवी, डॉ. मदन, विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी, निलाई कॉलेज के चैयरमैन भीम सिंह मुंडा शामिल रहे।

पिटोरिया (आजाद सिपाही)। काके स्थित नीरुजा सहाय डीएवी में क्लस्टर-2 के तत्वाधान में दो दिवसीय खेल प्रतिस्पर्धा का शनिवार को शानदार आगाज हुआ। इसका अंतर्गत विद्यालय में खो-खो, वालीबाल और हैंडबॉल खेलों का आयोजन हो रहा है। इनमें झारखंड क्लस्टर-2 के 10 स्कूलों के करीब 594 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य किरण यादव ने उद्घाटन समारोह में आये अतिथियों का स्वागत किया। कहा कि खेलों के इस महानुभव में शामिल खिलाड़ी सहयोग, संगठन, भाईचारा अनुशासन आदि सीखकर जाएंगे। खेल हमारे सर्वांगीण विकास में मुख्य भूमिका निभाता है। खेल ही है जो हमारा चरित्र उज्ज्वल और शरीर स्वस्थ बनाने में सहायक होते हैं। प्राचार्य ने खिलाड़ियों को खेल भावना का प्रदर्शन करने हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

नामकुम (आजाद सिपाही)।
काली नगर बरगावा की महिलाएँ
इन दिनों बरगावा पंचायत में जर्जर
सड़क को लेकर काफी परेशान
हैं। इस समस्या को लेकर
महिलाओं ने शनिवार को भाजपा
की प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर
और मंडल उपाध्यक्ष पुष्पा चौधरी
के नेतृत्व में राज्यसभा सांसद प्रो.
आदित्य साहू से मुलाकात की।
बताते चले कि बरगावा कालीनगर
की जनसंख्या का घनत्व काफी
ज्यादा है, कई सड़कें जर्जर हालात
में हैं। गर्मी के दिनों में तो किसी
तरह काम चल जाता है, लेकिन
बरसात में रास्ता चलना दुभर हो
गया है। इस वर्ष लगातार हो रही
बारिश से सड़क की स्थिति
नारकीय हो गई है। बच्चों के

बेड़ो (आजाद सिपाही)। पूर्व से लॉबीज चल रहे केशों के निष्पादन को लेकर वरिय अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत नरकोपी पुलिस ने बेड़ो पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार राम के निर्देश में दो साल से फरार चल रहे दुष्कर्म के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया। उसकी पहचान सुनील कुमार गुप्ता (35) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के

मुजफ्फरनगर जिले के तितावी
थाना क्षेत्र के लाडवा गांव का रहने
वाला है। पुलिस की मानें तो वह
पिछले दो साल से फरार चल रहा
था। उसकी गिरफ्तारी के लिए
पुलिस लगातार प्रयासरत थी।
उसकी गिरफ्तारी के लिए थाना
प्रभारी नागेश्वर साव के नेतृत्व में
एसआई रामनगीना प्रसाद,
हवलदार जय कृष्ण राम के साथ
ठहिल टीम ने 17 जुलाई को उसे
गिरफ्तार किया था।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए गठित छात्र परिषद का अलंकरण समारोह संपन्न
छात्र परिषद का गठन छात्रों को आत्मनिर्भर और निर्णयक्षम
बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है : जैलेंद्र कुमार

राजी। जसपुरिया पब्लिक स्कूल बीसा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए गठित छत्र परिषद के अलंकरण समारोह का शनिवार को भव्य आयोजन हुआ। इसका उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व का बोध और आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करना था। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में जसपुरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशनल के चेयरमैन जैलेंद्र कुमार के अलावा जसपुरिया बीएड कॉलेज के प्राचार्य डॉ अनिल कुमार मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दोष प्रज्वलन से हुई। इसके बाद नवगठित छत्र परिषद के सदस्यों को उनके-अपने पदों की औपचारिक घोषणा के साथ ही कर्तव्य एवं निष्ठा की शपथ दिलाई गई। नव गठित छत्र पदाधिकारियों में हेड बॉय अंकित महतो, हेड गैल मेधा कुमारी, वाइस हेड बॉय सूरज मुंडा, वाइस हेड छात्र: निवर्की कुमारी, हाउसवार छात्र:



नुदुम् ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के पत्रकार राजनीतों उर्फ राजू चौबे की मां जयन्ती देवी का शनिवार तड़के नाउज स्थित आवास पर हृदय गति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। वह 75 साल की थीं। मृतका पिछले एक महीने से बीमार थी। उनका अंतिम संस्कार वाराणसी के मणिकर्णिका घाट में देर शाम किया गया। जयन्ती देवी के निधन पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, विधायक सुरेश बैठा, विधायक प्रतिनिधि गोपाल तिवारी, पत्रकार कालीचरण साहू, रामाशोष पांडेय, रंगनाथ चौबे, चंद्रकांत गिरि, रविंद्र साहू, मनोज कुमार साहू, सुदीप सिंह, विजय मिश्रा, दिलीप सोनी, पंकज सिंह, भोला प्रसाद और अनु साहू आदि ने शोक प्रकट किया है।

कृषल वलतार योऒानांतर्गत साहेर पंचायत के के पलांडू गांव के 30 कलसानों के बीच कुल 300 कलतो मुंणपली के बीज का वलरण कलया गया। इस माँके पर उपरलतल प्रल सदस्य पूतम देवी, उप प्रमुख अफसाना परखन, प्रखंड तहकनीकी बंधक वरदानी लकडा, सलाहकार समित के अधव्य बजरंग महतो ने कहा कल सरकार कलसानों के ललप कई लाभकारी योऒानाएं चला रही हैं। बस जागरूक होकर इन योऒानाओं का लाभ उडार। वकताओं ने कलसानों से जैवलक खेती पर वलशे ध्यान देने की अपीस की। माँके पर कलसान वलजय महतो, उषा देवी, छोट्ट महतो, वलजय तलकी, वलनोद कच्छप, वलरसा वलजय, लीलावती देवी, सावरो देवी, सीता देवी, डोली देवी, रंसला देवी, सीता राम महतो, बैजनाथ महतो, युगेश महतो, हरलशचंद्र महतो, उमेश महतो और जलधर महतो आदल उपरलतल थे।

थाना प्रभारी ने क्षेत्र की जनता से सहयोग की अपील की। वहीं, विनोद कुमार ने कहा कि नये थाना प्रभारी से उम्मीद है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था तत्काल रखने की पूरी कोशिश करें। पुलिस प्रशासन संदिग्ध व्यक्ति दबाव बनाए रखे और जनता की उचित काम की जल्द करेगा। इस मौके पर, दानियल एक्का, राखी देवी, राजेंद्र महतो, सुरेश महतो, वरुण कुमार महतो, तस्लीम अंसारी, रेयानुल अंसारी, रंजन हेमरोम, नौशाद अंसारी, सुकरमनी देवी, सोमारी उरांव, सरिता देवी, सफीक अंसारी, नसीम अंसारी, खुशीद अंसारी, शाणाद अंसारी, रईब अंसारी, अशोक केसरी, मुद्रसती अंसारी आदि उपस्थित थे।

महाविद्यालय को शिक्षाण के साचय सह प्राचाय डो दिपला पराशर वय
लेसमेंट ईवांज राकेस कुमारा राय ने किया। अपने संवोधन में डॉ पराशर
ने कहा कि गुणावत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ ही रोजगार का अवसर
उपलब्ध कराना हमारे महाविद्यालय का लक्ष्य है। इस कार्यक्रम में लगभग
12 विद्यालय ने भाग लिया। विद्यालयों की ओर से साक्षात्कार लिए गए
छात्र-छात्राओं का अंतिम रूप से चयन कर इसकी सूची महाविद्यालय को
उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर ऑक्सब्रो ज स्कूल, वंडरलैंड
स्कूल, भावघरा एकेडमी, चान्हे, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, चान्हे,
ब्राइट प्युचर स्कूल, चान्हे, स्मार्ट पब्लिक स्कूल, चान्हे, सनराईज
पब्लिक स्कूल आदि ने हिस्सा लिया।

आकुरावां (आजाद सिपाही)। थाना के नये थाना प्रभारी पुअनि सिद्धांत चंद्रमौजू के नये पदभारा ग्रहण कर लिया। विदित हो कि डीआइजी एसएसपी केन्द्रमौजू के नये थाना प्रभारी सिद्धांत ने पूर्व थाना प्रभारी विनित कुमार का तबाला पुलिस चौकी छोड़कर दिया है। इस मौके पर थाना प्रभारी सिद्धांत ने कहा कि क्षेत्र को नये थाना प्रभारी मुक्त करना उनका पहला लक्ष्य है। कहा कि अवेध कार्य करमेरे अवेध वालों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। मौके पर अवेध दिलीप कुमार, अरुण कुमार, जमादार सुरेश दास और अरुण कुमार आदि मौजूद थे।

झारिया में फिर भू-धंसान, दहशत

बेलगड़िया टाउनशिप में बिना मास्टर प्लान के आवास बनाये गये हैं, यहां न सुविधाएं हैं और न रोजगार : झरिया विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। झरिया में फिर एक बार भू धसान का मामला सामने आया है। इससे लोगों में दहशत का माहौल है। ऐसा ही झरिया के इंदिरा चौक के समीप शुकुवार देर रात भू-धंसान की एक बड़ी घटना सामने आयी, जिससे क्षेत्र में अफरातफरी मच गयी। झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग से कुछ ही दूरी पर वर्षों से खड़ी एक पुरानी 407 वाहन अचानक जमीन धंस गयी। संयोगवश घटना में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन इससे इलाके में दहशत फैल गयी। स्थानीय लोगों के अनुसार जमींदोज हुई गाड़ी मोहम्मद रियाज नामक व्यक्ति की थी, जिसकी पाटर्स की दुकान घटनास्थल के सामने ही है। वाहन कई दिनों से उसी स्थान पर खड़ा था, लेकिन देर रात अचानक जमीन धंस गयी और गाड़ी पूरी तरह समा गयी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुटे और प्रशासन तथा बीसीसीएल के प्रति नाराजगी जताई। लोगों का कहना था कि



विस्थापन नहीं हुआ, तो यहां कभी भी बड़ा हादसा : महाप्रबंधक
बीसीसीएल एरिया-10 के महाप्रबंधक निखिल बी. त्रिवेदी ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद कहा कि यह क्षेत्र पहले से ही अग्नि प्रभावित (फायर जोन) घोषित है। यहां की जमीन अंदर से कमजोर है। उन्होंने कहा कि इस बार अधिक वर्षा के कारण भी भू-धंसान की घटनाएं तेज हुई हैं। त्रिवेदी ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते विस्थापन नहीं हुआ तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने बताया कि माइनिंग नक्शे के आधार पर स्थल की तकनीकी जांच की जायेगी और डीआरडीए पुनर्वास पैकेज के तहत स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द विस्थापित किया जायेगा।

प्रशासन तब तक चुप बैठा रहेगा, जब तक कोई बड़ा हादसा या जनहानि नहीं हो जाती।

वहीं शनिवार की सुबह झरिया विधायक रागिनी सिंह, बीसीसीएल एरिया-10 के जीएम निखिल बी.

पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू करवाया। राहत कार्य में जुटे कर्मियों ने घंटों मशकत के बाद वाहन को क्रेन की सहायता से बाहर निकाला और घटनास्थल की भराई करायी गयी।

घटना को लेकर विधायक रागिनी सिंह ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा कि भगवान का शुक है कि इस बार कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह पूरी तरह प्रशासन और बीसीसीएल की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि झरिया में लंबे समय से भू-धंसान की घटनाएं हो रही हैं लेकिन प्रशासनिक स्तर पर न तो कोई ठोस कदम उठाये गये हैं और न ही किसी विस्थापन नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप में बिना मास्टर प्लान और जनता की राय लिए आवास बनाये गये हैं, जहां न तो मूलभूत सुविधाएं हैं और न ही रोजगार। इसलिए झरिया की जनता जहां विस्थापन चाहती है उन्हें वहीं बसाया जाये।

उपायुक्त की पहल पर बिरसा पुल की हुई मरम्मत



धनबाद (आजाद सिपाही)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की पहल पर दामोदर नदी पर स्थित मोहलबनी बिरसा पुल की मरम्मत आज पूरी हो गई है। इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि उपरोक्त पुल पर गड्ढों के कारण लोगों को आवा-जाही करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। वर्षा के कारण गड्ढों में जल-जमाव हो जाता था। इसके कारण वाहन चालकों, विशेष कर दोपहिया वाहनों को पुल से गुजरने में दिक्कत हो रही थी। मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने एनएच डिविजन के कार्यपालक अभियंता को युद्ध स्तर पर पुल की मरम्मत करने का निर्देश दिया। जिसके परिणामस्वरूप पुल पर बने गड्ढों को भरकर सुचारु आवागमन के लिए तैयार कर दिया गया।

बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर गहमागहमी

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर बोकारो बार परिसर में सरगमी तेज हो गई है। परिसर में चुनावी गहमागहमी का माहौल देखने को मिल रहा है। नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो चुकी है। 23 जुलाई तक जारी रहेगी। 20 से 24जुलाई तक नामांकन दखिल जबकि, 25 को स्कूटीन किया जाएगा। चुनाव 2 अगस्त को होगा। मतगणना 3 अगस्त को निर्धारित की गई है। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सचिव सहित कई अन्य पदों के लिए प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कई अधिकवाक्ताओं ने नामांकन पत्र खरीद लिया है। उपाध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार रणजीत गिरि ने फॉर्म लेने के बाद अधिकवाक्ताओं को संबोधित करते हुए अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि वे बार एसोसिएशन के विकास एवं अधिकवाक्ताओं के हितों की रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली जाकर आजाद अंसारी ने शिव सोरेन की स्वास्थ्य के लिए जानकारी

जैनामोड़(बेरमो)। झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा बोकारो जिला अध्यक्ष आजाद अंसारी अपने सहयोगियों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष, राज्य सभा सांसद शिव सोरेन का स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए गंगाराम अस्पताल स्थित दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिव सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। झारखंड सरकार के मंत्री हाफिजुल हसन से मुलाकात कर अपने बोकारो जिला के विभिन्न क्षेत्रों के समस्याओं की जानकारी उपलब्ध कराई। समस्याओं की समाधान करने का आग्रह किया। बीते दिन हफीजुल हसन की दिल्ली स्थित मेवाता अस्पताल में हाट सर्जरी हुई थी। बोकारो जिला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मोहम्मद आजाद अंसारी ने स्वास्थ्य की जानकारी ली। स्वास्थ्य जानकारी लेने के बाद उन दोनों नेताओं को शीघ्र स्वास्थ्य होने की प्रार्थना की। मिलने वाले में मुख्य रूप से समीम अंसारी, तबरेज आलम, मोसीम अंसारी शामिल थे।

3 अगस्त को दिल्ली में आयोजित होगा जय भोजपुरी जय भोजपुरिया भवां स्थापना दिवस

बेरमो कार्यालय(बेरमो)। बेरमो कोयलांचल भोजपुरी परिवार की बैठक कथारा सीसीएल अतिथि गृह में आयोजित हुई। यह बैठक अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र कुमार ओझा की अध्यक्षता तथा भोजपुरी स्मार्ट लाइन सिंह के संचालन में हुई। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मुखिया ललन सिंह, विशिष्ट अतिथि केपी सिंह उपस्थित रहे। इस बैठक में 3 अगस्त को माता सुंदरी लेन-1, माता सुंदरी कालेज बाराखम्बा नयी दिल्ली में भोजपुरी संगठन जय भोजपुरी जय भोजपुरिया के 11वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित होने वाला है, उस सम्मलेन में सभी के शामिल होने पर सहमति बनी।

बीएसएल के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग के द्वारा बिजनेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष जलोटा, मुख्य महा प्रबंधक के साथ विभाग के वरीय अधिशासी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि मनीष जलोटा के द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया गया। बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की हिंदी अधिकारी देवयानी चक्रवर्ती ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा विभाग के अधिकारी अलोक कुमार, उप महाप्रबंधक के द्वारा किया गया। अलोक कुमार, उप महाप्रबंधक ने हिंदी का राजभाषा के रूप में महत्व, इसकी उपयोगिता, संवैधानिक महत्व के बारे में विस्तृत चर्चा की। साथ ही यूनिकोड का अधिकाधिक प्रयोग कर संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं के अनुरूप हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने की अपील की। कार्यशाला में हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समापन महा प्रबंधक अनुपमा तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

आइआइएमयूएन कांफ्रेंस 2025 का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद स्थित क्रेडो वर्ल्ड स्कूल में आयोजित इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस (आईआईएमयूएन) कांफ्रेंस 2025 के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होकर देव कुमार वर्मा ने देशभर से आ/र प्रतिभाशाली युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर को अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक बताया। अपने संबोधन में श्री वर्मा ने कहा कि, जब देश के कोने-कोने से आए विद्यार्थियों को वैश्विक मंच पर गंभीरता से विमर्श करते देखा हूं, तो यह विश्वास और भी दृढ़ होता है कि भारत का भविष्य समर्थ, संवेदनशील और जागरूक हाथों में है। साथ ही उन्होंने कहा

अर्केएमयू प्रतिनिधियों के साथ जारंगडीह कोलियरी प्रबंधन की एजेंडा मीटिंग

कथारा/ जारंगडीह। जारंगडीह स्थित परियोजना पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष में एजेंडा वार्ता हुई। यहां राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन जारंगडीह शाखा के प्रतिनिधियों द्वारा पूर्व में सौंपे गए 21 सूत्री मांगपत्र को लेकर प्रबंधन के साथ वार्ता हुई। इसमें प्रबंधन की ओर से पीओ विनोद कुमार, प्रबंधक मानव संसाधन सुभाष पासवान उपस्थित रहे। जबकि संगठन की ओर से कथारा क्षेत्रीय सचिव विजय कुमार सिंह, संगठन के वरीय नेता व जिला परिषद सदस्य आकाश लाल सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष गणेश राम शामिल रहे। जारंगडीह शाखा के सचिव खगेश्वर रजक ने मांगपत्र की समस्याओ को प्रबंधन के समक्ष रखने का कार्य किया। इसपर पीओ श्रीकुमार ने सकारात्मक कदम उठाने का भरोसा दिलाया। वही क्षेत्रीय व मुख्यालय स्तर पर पूरी किए जाने वाले मांग को अग्रसारित करने की बात कही। इस अवसर पर शाखा उपाध्यक्ष पवित्र दास, सहायक सचिव राम प्रसाद मांझी, सपना राम, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश रजक, सेप्टी बोर्ड के सदस्य सतीश वर्णवाल, बैरिस्टर सिंह लीला गोप, विशिर बांतिा, प्रकाश तुरी आदि लोग उपस्थित थे।

बीएसएल का सघन पौधरोपण अभियान शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के नगर प्रशासन विभाग के तत्वावधान में सेक्टर-4 स्थित सूर्य मंदिर के समीप से सघन वृक्षारोपण का अभियान 19 जुलाई को निदेशक प्रभारी श्री बरिंद्र कुमार तिवारी की सुगुवाई में आरम्भ किया गया। इस मौके पर अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक सीआर मिश्रा, अधिशासी निदेशक अनीष सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक लक्ष्मी दास, मुख्य महाप्रबंधक



कि आइआइएमयूएन जैसे आयोजन नई पीढ़ी को संवाद, नेतृत्व और वैश्विक दृष्टिकोण से समृद्ध करते हैं। इस अवसर पर देव कुमार वर्मा के द्वारा पौधरोपण भी किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का

काला हीरा कार्यक्रम का दूसरा दिन चार राज्यों के कलाकारों ने दी सांस्कृतिक नृत्य एवं संगीत की शानदार प्रस्तुतियां



धनबाद (आजाद सिपाही)। 9वां ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा, डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल 'काला हीरा' के दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद, मुख्य अतिथि बंगाल की प्रख्यात आर्टिस्ट,अनिता दत्ता, अनुभूति एक एहसास की निदेशक सरसी चंद्र क्लब इंडिया के डायरेक्टर संतोष रजक समेत अन्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। राजेंद्र प्रसाद ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित कर स्वागत किया। दूसरे दिन चार राज्यों वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, आजमगढ़ एवं झारखंड के स्थानीय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक डांस,इंस्ट्रुमेंटल म्यूजिक, ड्राइंग सिगिंग प्रतिस्पर्धा में 180 प्रतिभागियों ने दमदार दर्शनीय प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही एवं तालियां बटोरीं। आज के कार्यक्रम की निर्णायक बंगाल की अनिता दत्ता थीं। काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, ओड़ीसी समेत चारों राज्यों के प्रांतीय संस्कृति नृत्य, लोक गायन, वाद्य यंत्र,चित्रकारी प्रतिस्पर्धा में कलाकारों ने बहुत ही शानदार एवं प्रसंस्नीय प्रस्तुति दी है। कार्यक्रम का संचालन अनुभूति एक एहसास की निर्देशिका सरसी चंद्रा द्वारा बहुत ही शानदार और व्यवस्थित ढंग से की गई।काला हीरा के दूसरे दिन के सफल कार्यक्रम में सरसी चंद्रा सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय वाइस प्रेसिडेंट मिताली मुखर्जी, देवनारायण, उत्तम विश्वकर्मा,सतीश कुमार, रविकांतआर कुमार शिवानी, दीक्षा, वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,सरसी चंद्रा, संजय चंद्रा, यूसी मिश्रा का योगदान था।



कुंदन कुमार और हॉर्टिकल्चर अनुभाग की टीम उपस्थित थी। इस अभियान के तहत बीएसएल द्वारा वित्त वर्ष 2025 - 26 के दौरान कुल 665000 पौधे लगाने की योजना है। बीएसएल

सर्च अभियान के दौरान पुलिस को हथियार-विस्फोटक सामग्री मिली

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो । विगत 16 जुलाई को गोमिया थानांतर्गत बिरहोरडेरा के जंगली क्षेत्र में संयुक्त बलों एवं नक्सली दस्ता के साथ मुठभेड़ की घटना के बाद से जारी सर्च अभियान के दौरान 18 जुलाई को पुलिस ने हथियार, मैगजीन व विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। इसमें 1 एसएलआर रायफल, 20 एसएलआर गोली,इंसास व एसएलआर की मैगजीन, 2 बंडल कोडेक्स वायर एवं डेटोनेटर की

कार्यक्रम में अधिवक्ता और लिपिकों को दी गयी इ-फाइलिंग की ट्रेनिंग



धनबाद (आजाद सिपाही)। ई-कोर्ट्स भारत में न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटलीकरण और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की एक पहल है। यह परियोजना ई-गवर्नेंस के तहत न्यायपालिका में पारदर्शिता, दक्षता और तेजी लाने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2007 में शुरू की गयी है। इसके तहत न्यायालयों में ई-फाइलिंग, ऑनलाइन केस ट्रैकिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपरोक्त बातें शनिवार को धनबाद सिविल कोर्ट में आयोजित ई कोर्ट्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष, मनीषरंजन, ने किया। अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि लोग अब अपने मुकदमों के संबंध में ऑनलाइन केस ट्रैकिंग और आदेश डाउनलोड कर पायेंगे।

चास के शिव हॉस्पिटल में डीआइएमसी टीम ने की छापामारी

बोकारो (आजाद सिपाही)। चास अनुमंडल क्षेत्र के आइटीआइ मोड़ स्थित शिव हॉस्पिटल में शुकुवार को जिला निरीक्षण एवं निगरानी समिति (डीआईएमसी) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अल्ट्रासाउंड सेंटर का औचक निरीक्षण किया। पीसीपीएनडीटी एक्ट का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बिना वैध कागजात के अल्ट्रासाउंड सेंटर का परिचालन किया जा रहा है। टीम का नेतृत्व चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल दांडा ने किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल के चिकित्सक डॉ. महेंद्र कुमार को बिना वैध लाइसेंस के एक महिला का अल्ट्रासाउंड करते हुए रंग हाथों पकड़ लिया। मौके पर अल्ट्रासाउंड मशीन समेत अन्य जरूरी उपकरणों को जब्त कर लिया गया। जव्ती की प्रक्रिया चास अंचलाधिकारी दिवाकर दुबे की देखरेख में पूरी कर मौके पर ही जव्ती सूची तैयार की गई।



बरामदगी हुई। डेटोनेटर को उक्त मुठभेड़ की घटना में 5 लाख का इनामी नक्सली कुंवर मांझी को दिया गया।

इस आशय की जानकारी एसपी हरविंदर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। गौरतलब है कि

सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया था।जबकि कोबरा 209 बटालियन का एक जवान प्राणेश्वर कोच शहीद हो गये थे।

झरिया इंदिरा चौक फुलारीबाग भू-धंसान क्षेत्र का संतोष सिंह ने किया दौरा



धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह कांग्रेस नेताओ कार्यकर्ताओं के साथ झरिया इंदिरा चौक फुलारीबाग भू-धंसान क्षेत्र का सघन दौरा किया एवं बिस्थापित परिवारों से मिला तथा संबंधित पदाधिकारी बीसीसीएल एरिया 10 के महाप्रबंधक से बात की। धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रवक्ता शमशेर आलम, अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल करीम अंसारी, राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के सचिव एहसान अहमद खान, झरिया नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्याम कुमार साव, भोला सिंह, शिव शंकर सिंह, मृत्युंजय सिंह, अशोक मालाकार, रवी सिंह राठौर, राहुल चौहान, अर्जुन विश्वकर्मा, फैज अहमद, गीता सिंह, वीरेंद्र यादव, राजीव झा, निसार आलम,चंदन मोदक, सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित थे। प्रभावित क्षेत्रों को निरीक्षण करते हुए विस्थापित परिवारों से मिलकर कहा की अथा शीघ्र उचित कार्रवाई होगी। इसके लिए हम सभी कांग्रेस जन आपके साथ खड़े हैं। बीसीसीएल सिर्फ कोयला उत्पादन पर जोर दे रही है। विस्थापन पर ध्यान नहीं दे रही है, यहां कभी भी बहुत बड़ा हादसा हो सकता है और बड़ी दुर्घटना का निमंत्रण दे रहा है। यहां बार-बार भू-धंसान हो रहा है और प्रबंधन मौन है। जरूरत पड़ी, तो हम लोग उपायुक्त धनबाद से मिलकर विस्थापित परिवार की बात रखेंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप जो इमारत बनी हुई है, एक तो बहुत छोटी है और बहुत कमजोर है। कभी भी भू-धंसान क्षेत्र से भी बड़ा हादसा हो सकता है। विस्थापन के नाम पर चारों तरफ लूट मची हुई है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव सह प्रवक्ता शमशेर आलम ने कहा कि झरिया का दुर्भाग्य है कि इमानदार जन-प्रतिनिधित्व नहीं मिला है, जब तक झरिया को दबंग लोगों से मुक्ती नहीं मिलेगी, तब तक झरिया को कोई नही बचा सकता है। शमशेर आलम ने कहा कि बीसीसीएल और जिला प्रशासन विस्थापन के मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई करे अन्यथा कांग्रेस जोरदार आंदोलन करेगी।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी सूचना

पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी के अन्तर्गत सिसई – लापुंग–डोरमा पथ (MDR-030) के कि०मी० 5th, 9th, 10th, 12th, 15th, 27th, 30th & 31st के सकीर्ण HPC कलभर्ट को चौड़ीकरण कार्य कि०मी० 5th में स्थित RCC कलभर्ट को चौड़ीकरण कार्य तथा कि०मी० 29th में 1200 MM dia का Double Vent HPC कलभर्ट निर्माण कार्य जिसका निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – ५० नि० वि० /खूँटी/६५७ दिनांक 10.07.2025 PR NO. 357001 Road (25-26)#D को अपरिहार्य कारण से निविदा रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमण्डल, खूँटी।

PR.NO.357737 Road(25-26):D

Government of Jharkhand Directorate of Food & Consumer Affairs 3rd Floor, JSFC Bhawan, Kadru, Ranchi-834002 Notice Inviting Tender through GeM Portal

Letter No.-kha.up.ni.01-vivdh-01/2024- 1142 Date : 18-07-2025

Selection of Aadhar enabled 4G e-PoS Manufacturer/System Integrator for FPS Upgradation/Automation across Jharkhand State through GeM Platform.

Bid Details	
1. Name of Work	Selection of Aadhar enabled 4G e -PoS Manufacturer/System Integrator for FPS Upgradation/Automation across Jharkhand State (RFP ref No. 1137 Date 18.07.2025)
2. Tender Publishing Date/ Download Link of Tender Document	21-07-2025/ Through https://www.jharkhand.gov.in/food and https://gem.gov.in
3. Bid validity period	180 days from the last date (deadline) for submission of Techno-financial response/ proposals.
4. EMD Amount	Rs. 3,56,00,000/- (Rupees Three Crore Fifty Six Lakhs only) (~ 2 % of estimated cost) to be paid online (Directorate bank account provided in RFP)/demand draft / BG through GeM portal valid for a minimum period of 180 days
5. Last Date & Time for Submission of Pre -bid Queries (By e-mail)	29-07-2025 up to 04:00 pm e-Mail – directorfood18@gmail.com
6. Date of Pre-bid meeting	28-07-2025 at 01:00 pm through Google Meet (https://meet.google.com/tyv -puce-qxq)
7. Date of release of responses to clarifications / queries / corrigendum	Before the last date of bid submission.
8. Last Date and time of Bid Submission	08-08-2025 up to 06:00 pm
9. Date of proposed e-PoS device sample submission	Will be intimated later.
10. Date of opening of Technical Bid.	09-08-2025
11. Date of Technical presentation	After Technical Evaluation date shall be intimated.
12. Date of Financial Bid opening	Date will be intimated to qualified bidders.
13. Tender Inviting Authority and Address.	The Director, Directorate of Food and Consumer Affairs, Government of Jharkhand, 3 rd Floor, JSFC Bhawan, Kadru, Ranchi 834002 e-mail: directorfood18@gmail.com

Any changes/modifications/corrigendum in the tender documents will be posted on website https:// www.jharkhand.gov.in/food and https://gem.gov.in

Sd/- Director Directorate of Food & Consumer Affairs, Jharkhand. PR 357728 Directorate of Food and Consumer Affairs(25-26)D

